TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | ताजमहल और शहर के सौंदयीज़्करण को लगेंगे पंख... (पेज-3) | पृष्ठ- 8 | वर्ष-01 अंक-डमी | मूल्य ₹7 | शनिवार | दिनांक- 21.11.2026

वोटर लिस्ट में आपका नाम है या नहीं? कल अपने बूथ पर जाकर करें जांच



❍ एजेंसी, लखनऊ।

आपका नाम मतदाता सूची में दर्ज है या नहीं, नाम और पते में कोई गलती तो नहीं है? इसकी जांच करने का मौका शनिवार को मिलेगा। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) के तहत प्रदेशभर के सभी मतदान केंद्रों पर पहला विशेष अभियान शनिवार 21 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। इस दौरान बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) ड्राफ्ट मतदाता सूची और पर्याप्त संख्या में विभिन्न फार्मों के साथ मौजूद रहेंगे।

मतदाता बूथ पर पहुंचकर सूची में अपना और परिवार के सदस्यों का नाम देख सकेंगे। नाम नहीं होने पर पंजीकरण और विवरण में गलती होने पर संशोधन के लिए आवेदन भी कर सकेंगे।

भारत निर्वाचन आयोग ने एसएसआर के तहत प्रदेश के सभी बूथों पर चार दिन विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। पहला अभियान शनिवार और दूसरा 22 नवंबर रविवार को होगा। इसके बाद 28 और 29 नवंबर को भी विशेष अभियान दिवस आयोजित किए जाएंगे। इन विशेष दिनों में बीएलओ अपने-अपने बूथ पर उपस्थित रहकर मतदाताओं को सूची से जुड़ी जानकारी देंगे और आवेदन की प्रक्रिया में मदद करेंगे।

योगी सरकार के प्रयास सफल, सब्जी-फल उत्पादन में यूपी बना अव्वल

❍ एजेंसी, लखनऊ।

उत्तर प्रदेश पूरे देश में कृषि और बागवानी के क्षेत्र में लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। योगी सरकार के खेती को परंपरागत दायरे से आगे बढ़ाकर अधिक लाभकारी बनाने, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में प्रदेश में किए जा रहे प्रयासों का असर अब राष्ट्रीय स्तर पर भी दिखाई दे रहा है। इसका प्रमाण राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (एनएचबी) के वर्ष 2025-26 के तीसरे अग्रिम अनुमान में सामने आया है।

रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश बागवानी उत्पादन, कुल बागवानी क्षेत्रफल और उत्पादकता के मामले में देश में पहले स्थान पर है। देश के कुल बागवानी उत्पादन में यूपी की हिस्सेदारी 17.76 प्रतिशत है जबकि कुल बागवानी क्षेत्रफल में प्रदेश की भागीदारी 8.92 प्रतिशत है। इसके साथ ही उत्पादकता के मामले में उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय औसत से लगभग दोगुना आगे है।

यूपी की बागवानी उत्पादकता 25.94 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर



अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण बाबू लाल मीणा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकताओं में किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करना और कृषि को अधिक लाभकारी बनाना शामिल रहा है। इसी का नतीजा है कि एनएचबी के तीसरे अग्रिम अनुमान 2025-26 के अनुसार उत्तर प्रदेश में कुल बागवानी उत्पादन 687.30 लाख मीट्रिक टन दर्ज किया गया है जबकि पूरे देश का कुल उत्पादन 3869.15 लाख मीट्रिक टन है। इस तरह राष्ट्रीय बागवानी उत्पादन में अकेले उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 17.76 प्रतिशत है।

वहीं, प्रदेश में बागवानी फसलों का कुल क्षेत्रफल 26.50 लाख हेक्टेयर है जबकि देश में यह क्षेत्रफल 297.21 लाख हेक्टेयर दर्ज किया गया है। क्षेत्रफल की तुलना में उत्पादन में यूपी की अधिक हिस्सेदारी इस बात का संकेत है कि प्रदेश में प्रति हेक्टेयर उत्पादन क्षमता बेहतर है। उन्होंने बताया कि बागवानी के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी उपलब्धि उसकी उत्पादकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश की बागवानी उत्पादकता 25.94 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर है जबकि राष्ट्रीय औसत उत्पादकता 13.02 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर है। यानी उत्तर प्रदेश की उत्पादकता देश के औसत से 1.99 गुना अधिक है। यह उपलब्धि बताती है कि सीमित क्षेत्रफल में भी प्रदेश अधिक क्षेत्र के लिए बेहतर संभावनाओं का आधार बन रही है।

सब्जी उत्पादन में देश के कुल उत्पादन का 20 प्रतिशत हिस्सा यूपी का

अपर मुख्य सचिव ने बताया कि उत्तर प्रदेश सब्जी उत्पादन के मामले में भी देश में पहले स्थान पर है। एनएचबी के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में 454.65 लाख मीट्रिक टन सब्जियों का उत्पादन हुआ है जबकि देश का कुल सब्जी उत्पादन 2272.68 लाख मीट्रिक टन है। इस प्रकार देश के कुल सब्जी उत्पादन में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत है। सब्जी उत्पादन में यह मजबूत स्थिति प्रदेश को देश के प्रमुख खाद्य उत्पादक राज्यों में महत्वपूर्ण स्थान दिलाती है।

आलू उत्पादन में उत्तर प्रदेश की स्थिति बेहद मजबूत है। प्रदेश में 270 लाख मीट्रिक टन आलू का उत्पादन हुआ है, जबकि देश का कुल उत्पादन 655.70 लाख मीट्रिक टन है। इस तरह राष्ट्रीय आलू उत्पादन में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 41.18 प्रतिशत है। यानी देश में उत्पादित होने वाले आलू का बड़ा हिस्सा यूपी के किसानों की मेहनत से आता है। आलू उत्पादन में यह बढ़त प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है।

आम, अमरूद और शिमला मिर्च में भी यूपी का दबदबा

मटर उत्पादन में उत्तर प्रदेश ने देशभर में अपनी मजबूत स्थिति दर्ज कराई है। प्रदेश में 38.06 लाख मीट्रिक टन मटर का उत्पादन हुआ है जबकि देश का कुल उत्पादन 71.78 लाख मीट्रिक टन है। इस तरह राष्ट्रीय मटर उत्पादन में यूपी की हिस्सेदारी 53.03 प्रतिशत है। यानी देश में पैदा होने वाली आधे से अधिक मटर उत्तर प्रदेश में उत्पादित होती है। यह उपलब्धि प्रदेश के किसानों की उत्पादन क्षमता और मटर की खेती में यूपी की अग्रणी भूमिका को दर्शाती है। फल उत्पादन की प्रमुख फसलों में भी उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। प्रदेश में आम का उत्पादन 62.15 लाख मीट्रिक टन है जबकि देश का कुल उत्पादन 239.69 लाख मीट्रिक टन है। इसमें यूपी की हिस्सेदारी 25.93 प्रतिशत है। इसी तरह अमरूद उत्पादन में प्रदेश की हिस्सेदारी 21.08 प्रतिशत है। उत्तर प्रदेश में 11.65 लाख मीट्रिक टन अमरूद का उत्पादन हुआ है, जबकि देश का कुल उत्पादन 55.28 लाख मीट्रिक टन है। शिमला मिर्च के उत्पादन में भी प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

'दुनिया में युद्ध के बीच भारत का सभ्यता संवाद'

वैश्विक शांति की गारंटी है सांस्कृतिक जुड़ावः पीएम मोदी

❍ एजेंसी, नई दिल्ली।

राजधानी के ऐतिहासिक पुराना किला में पहले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सभ्यता संवाद का भव्य आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और वहां लगाई गई विशेष प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने महाभारत काल से लेकर 1200 ईस्वी तक के (लगभग 2,100 वर्ष पुराने) ऐतिहासिक, पुरातात्विक साक्ष्यों और भारतीय संस्कृति व विरासत से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेजों को देखा। इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर 15 देशों की सभ्यताओं के प्रतिनिधि शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद यह पहला अवसर है, जब पाकिस्तान के मंत्री भी किसी एससीओ कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए भारत पहुंचे हैं।

शांति की सबसे मजबूत गारंटी है सांस्कृतिक जुड़ावः पीएम मोदी

कार्यक्रम में शामिल विदेशी अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज जब दुनिया भर में युद्ध और अशांति की चर्चा हो रही है, ऐसे समय में भारत में सभ्यताओं के बीच संवाद हो रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वैश्विक शांति की सबसे मजबूत गारंटी सभ्यताओं के बीच संवाद और सांस्कृतिक जुड़ाव ही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ महीने पहले ही एससीओ ने अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे किए हैं। बीते ढाई दशकों में इस संगठन ने सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में आपसी सहयोग को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उन्होंने विश्वास जताया कि अब सदस्य देशों के बीच सांस्कृतिक संवाद इन संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाएगा, जिससे नए विचार और अवसर पैदा होंगे तथा दुनिया को एकजुट करने में मदद मिलेगी। आयोजन स्थल की महत्ता बताते हुए उन्होंने कहा कि



पुराना किला भारत की अद्भुत सांस्कृतिक धरोहर है, जिसकी ऐतिहासिक गाथाएं हजारों वर्ष पूर्व महाभारत काल तक जाती हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा कि साम्राज्यों ने दुनिया के नक्शे जरूर बदले हैं, लेकिन सभ्यताओं के बीच संवाद ने दुनिया के विचारों को बदला और उन्हें समृद्ध किया है। इसलिए एससीओ सभ्यता संवाद केवल एक औपचारिक मंच नहीं है, बल्कि यह दुनिया को नई दिशा देने का माध्यम बन सकता है। आज दुनिया में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और लोगों के बीच आपसी जुड़ाव की काफी चर्चा होती है, लेकिन यह ऐसी सोच है, जिसे हमारे पूर्वजों ने सदियों पहले ही समृद्ध किया था।

सिंधु घाटी की सभ्यता और मेसोपोटामिया के बीच व्यापारिक संबंध थेः पीएम मोदी

पीएम मोदी ने प्राचीन व्यापारिक संबंधों का उदाहरण देते हुए कहा कि करीब पांच हजार साल पहले सिंधु घाटी की सभ्यता और मेसोपोटामिया के बीच व्यापारिक संबंध थे। बाद में दूसरे व्यापार मार्गों ने इस संपर्क को और विस्तार दिया। भारत, चीन, मध्य एशिया और यूरेशिया के कई क्षेत्र इन प्राचीन व्यापारिक नेटवर्क से जुड़े थे। इन रास्तों से केवल व्यापारी ही नहीं, बल्कि विद्वान और बौद्ध भिक्षु भी एक जगह से दूसरी जगह जाते थे। इन यात्राओं के माध्यम से विचारों, भाषाओं और परंपराओं का आदान-प्रदान हुआ।

'तकनीक ने दुनिया में सांस्कृतिक जुड़ाव की नई संभावनाएं पैदा की हैं'

पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी की तकनीक ने दुनिया में सांस्कृतिक जुड़ाव की नई संभावनाएं पैदा की हैं। जिन रास्तों पर कभी हमारे पूर्वजों को महीनों यात्रा करनी पड़ती थी, आज उन्हीं देशों के लोग कुछ ही सेकंड में एक-दूसरे से जुड़ सकते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म ने ज्ञान साझाकरण, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को पहले से आसान बना दिया है। एससीओ के देशों को इन नई संभावनाओं का पूरा लाभ उठाना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि हमारे देशों के संग्रहालयों, पुस्तकालयों और अभिलेखागारों में हजारों वर्षों की अमूल्य विरासत सुरक्षित है। प्राचीन पांडुलिपियां, दुर्लभ पुस्तकें, ऐतिहासिक दस्तावेज और कलाकृतियां हमारे आपसी संबंधों के कई पहलुओं को उजागर करती हैं।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि आज, तकनीक का उपयोग करके इस विरासत को नई पीढ़ियों तक पहुंचाने के बेहतरीन अवसर मौजूद हैं। हम प्राचीन ग्रंथों के डिजिटलीकरण और अनुवाद के लिए मिलकर काम कर सकते हैं। संयुक्त शोध परियोजनाओं के जरिए, हम अपने साझा इतिहास के नए पहलुओं को सामने ला सकते हैं। इससे दुनिया के किसी भी कोने में बैठा युवा किसी दूसरे देश की सांस्कृतिक विरासत को बेहतर ढंग से समझ सकेगा।

यूपी में पेंशन पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला: दो कानून असांविधानिक घोषित

नियमित कर्मचारियों को भी राहत मिली

❍ एजेंसी, नई दिल्ली।

उत्तर प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों को पेंशन के मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार के दो कानूनों को गलत बताते हुए रद्द कर दिया है। इन कानूनों के तहत अस्थायी, दैनिक वेतनभोगी और वर्क-चार्ज कर्मचारियों की शुरूआती नौकरी को पेंशन के लिए नहीं गिना जा रहा था।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने शुक्रवार को यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने 'यूपी क्वालिफाइंग सर्विस फॉर पेंशन एंड वैलिडेशन एक्ट, 2021' और 'यूपी एंटाइटलमेंट टू पेंशन एंड वैलिडेशन एक्ट, 2025' को संविधान के खिलाफ घोषित कर दिया।

18 नवंबर को सुनाए गए 89 पन्नों के फैसले में कोर्ट ने एक अहम बात कही। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि कई कर्मचारी शुरूआत में अस्थायी या दैनिक वेतन पर भर्ती हुए थे। बाद में नियमों के तहत उनकी नौकरी पक्की (नियमित) कर दी गई। ऐसे कर्मचारियों को केवल उनकी शुरूआती नौकरी के तरीके को आधार बनाकर पेंशन से वंचित नहीं किया जा सकता।

बेंच ने स्पष्ट किया कि जब कोई कर्मचारी पक्का हो जाता है, तो वह नियमित विभाग का हिस्सा बन जाता है। इसके बाद उसकी शुरूआती अस्थायी नियुक्ति का कोई नकारात्मक असर नहीं रहना चाहिए। उस आधार पर उसकी पेंशन या रिटायरमेंट के फायदों में कटौती करना गलत है।



क्या था पूरा विवाद?

इस मामले की शुरूआत 2 सितंबर 2019 के एक फैसले से हुई थी। 'प्रेम सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य' केस में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि वर्क-चार्ज कर्मचारियों की शुरूआती सेवा को भी पेंशन के लिए गिना जाए। इस फैसले के बाद यूपी सरकार 2021 और फिर 2025 में नए कानून लेकर आई। इन कानूनों के जरिए सरकार ने पुराने नियम बदल दिए और उस शुरूआती सेवा अवधि को फिर से पेंशन की गिनती से बाहर कर दिया। इसके खिलाफ कर्मचारी और उनके संगठन सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। उनका आरोप था कि सरकार कोर्ट के आदेश को बेअसर करने की कोशिश कर रही है।

'सरकार कानून बना सकती है, लेकिन कोर्ट का फैसला नहीं पलट सकती'

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार की दलीलों को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकार को नए कानून बनाने का अधिकार है। लेकिन, वह बिना किसी ठोस आधार के सिर्फ नया कानून बनाकर कोर्ट के फैसले को खत्म नहीं कर सकती। शीर्ष कोर्ट ने माना कि यूपी सरकार के ये दोनों कानून कर्मचारियों के साथ भेदभाव करते हैं और संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता के अधिकार) का उल्लंघन करते हैं।

किन विभागों के कर्मचारियों को होगा फायदा?

इस फैसले से यूपी के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), सिंचाई विभाग और भूजल विभाग समेत कई अन्य सरकारी विभागों के रिटायर्ड कर्मचारियों को सीधा फायदा होगा। अब उनकी नौकरी के शुरूआती अस्थायी दिनों को भी पेंशन तय करते समय जोड़ा जाएगा।

ईडी की शक्तियों पर फिर कानूनी लड़ाईः पुनर्विचार याचिकाओं पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

❍ एजेंसी, नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि वह जनवरी में याचिकाओं के एक समूह पर सुनवाई करेगा। इन याचिकाओं में 2022 के फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया गया है। इस फैसले में कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शक्तियों को बरकरार रखा था।

इन शक्तियों के तहत ईडी को धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) के मामलों में गिरफ्तारी करने का अधिकार है। संपत्तियों को जब्त करने का भी अधिकार है। इसके अलावा तलाशी लेने और सामान जब्त करने का भी अधिकार है। ये सभी अधिकार मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत दिए गए हैं।

यह मामला मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची तथा जस्टिस वी मोहना की बेंच के सामने आया। मामले में पेश हुए वकीलों ने बेंच से जल्द से जल्द सुनवाई की तारीख देने का अनुरोध किया। इस पर बेंच ने कहा, 'हम जनवरी में इसकी सुनवाई कर सकते हैं'। सीजेआई ने कहा, सुनवाई की तारीख की सूचना दी जाएगी। मामले पर जनवरी में सुनवाई होगी।

पिछले साल 31 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वह पहले यह देखेगा कि पुनर्विचार याचिकाओं पर दोबारा सुनवाई की जा सकती है या नहीं। तब सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, 'प्रवर्तन निदेशालय ने तीन शुरूआती मुद्दे उठाए हैं। ये मुद्दे मुख्य रूप से पुनर्विचार याचिकाओं की सुनवाई की योग्यता से जुड़े हैं'। कोर्ट ने यह भी कहा था कि पुनर्विचार याचिका दायर करने वालों ने विचार के लिए 13 सवाल रखे हैं।

विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने कसी कमर

आठ राज्यों की 403 विस्तारक यूपी में घर-घर जाकर जोड़ेंगी महिला वोटर

❍ एजेंसी, लखनऊ।

विधानसभा चुनाव से पहले सांगठनिक तैयारियों में जुटी भाजपा ने अब मतदाताओं को जोड़ने की अपनी व्यापक रणनीति को जमीन पर उतारना शुरू कर दिया है। गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, बिहार, झारखंड, राजस्थान, महाराष्ट्र सहित आठ राज्यों से 403 महिला विस्तारकों को प्रदेश की सभी 403 विधानसभाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई।

ये विस्तारक शुक्रवार को रवाना हो गईं और अब चुनाव तक संबंधित विधानसभा क्षेत्र में घर-घर दस्तक देकर मतदाताओं, विशेषकर महिलाओं को जोड़ने का काम करेंगीं। शुक्रवार को पार्टी राष्ट्रीय महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े, प्रदेश अध्यक्ष एवं



केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी सहित प्रदेश के शीर्ष नेताओं ने इन महिला विस्तारकों को चुनावी रणनीति समझाई।

वहीं, बैठक से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मांग सावित्री देवी के निधन पर पार्टी नेताओं ने शोक व्यक्त किया और दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

शुक्रवार को विश्वैश्वरैया प्रेक्षागृह में हुई भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश प्रवासी बैठक में विनोद तावडे. ने कहा कि सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में महिला विस्तारक बहनों को प्रवास के माध्यम से व्यापक जनसंपर्क अभियान को गति देना है। बहनों को घर-घर पहुंचकर मतदाताओं से सीधा संवाद कर केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को पहुंचाना है।

महिलाओं को संगठन से जोड़कर बूथ स्तर तक भाजपा की पहुंच और प्रभाव को और अधिक मजबूत बनाना है। इसमें विशेष तौर पर महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित योजनाओं के सहारे महिलाओं को जोड़ने की कोशिश होगी। पंकज चौधरी ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव केवल राजनीतिक तैयारी नहीं, बल्कि संगठन की सामूहिक शक्ति, जनविश्वास और जनसंपर्क का व्यापक अभियान है।

इसमें महिला शक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भाजपा में बहनें सिर्फ महिला कार्यकर्ता नहीं हैं, बल्कि वे भाजपा की स्टार प्रचारक है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि भाजपा सरकार में मां, बहन, बेटियां सुरक्षित है। यही संदेश लेकर माता-बहनों के साथ संवाद करना है।

प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि विस्तारक बहनें अपने अनुभव और संगठनात्मक कौशल के साथ पार्टी के विचार एवं सरकार की उपलब्धियों को लेकर जनता के बीच पहुंचे। प्रदेश सह प्रभारी एवं राज्यसभा सदस्य डा. मेधा कुलकर्णी ने कहा कि महिला मोर्चा सभी विस्तारक संगठन की मजबूत कड़ी बनकर कार्य करेंगी।

मणिपुर में जहरीली शराब से हाहाकार: मरने वालों की संख्या 15 हुई

❍ एजेंसी, इंफाल।

मणिपुर के चंदेल जिले में जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। करीब 150 लोग अस्पताल में भर्ती हैं। सभी का इलाज चल रहा है। मामला स्थानीय स्तर पर बनी शराब पीने से जुड़ा है। शक है कि शराब में जहरीला मेथनॉल मिला हुआ था।

यह घटना चंदेल जिले के चकपी करोंग इलाके में हुई है। अस्पताल में भर्ती मरीजों का इलाज इंफाल के शिजा अस्पताल एवं अनुसंधान संस्थान में चल रहा है।

जानकारी के मुताबिक, प्रभावित लोगों में ज्यादातर चंदेल जिले के चकपी करोंग और आसपास के इलाकों के रहने वाले हैं। इनमें वयस्क से लेकर अधेड़ उम्र के लोग शामिल हैं। अस्पताल लाए गए कई लोगों में मेथनॉल के जहर से जुड़े लक्षण मिले हैं। आशंका है कि उन्होंने ऐसी स्थानीय शराब पी थी। इसमें जहरीला पदार्थ मिला हुआ था।

शिजा अस्पताल में हालात गंभीर बने हुए हैं। मरीज लगातार इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। बताया जा रहा है कि प्रभावित लोगों को लेकर एक और बस अस्पताल के लिए रवाना हुई थी। इससे मृतकों और अस्पताल में भर्ती होने वाले लोगों की संख्या और बढ़ने की आशंका है।

मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह भी शिजा अस्पताल पहुंचे। उन्होंने हालात का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित मरीजों और मेडिकल टीमों से मुलाकात की।

दो बूंद जिंदगी की, रविवार से शुरू होगा सघन पल्स पोलियो अभियान

- पोलियो अभियान से पहले 21 नवंबर को निकलेगी जागरूकता रैली, सीएमओ करेंगे उद्घाटन
- मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से आवास विकास तक निकाली जाएगी रैली
- सीएमओ ने दो बूंद जिंदगी की पिलाने की अपील की

टीएनएफ टुडे, आगरा।





जनपद में छह दिवसीय सघन पल्स पोलियो प्रतिरक्षण अभियान के सफल संचालन और व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से जागरूकता रैली का आयोजन किया जाएगा। यह अभियान 22 नवंबर (रविवार) से शुरू होगा, जिसकी तैयारियों के तहत रैली 21 नवंबर (शनिवार) को सुबह 9:00 बजे मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से आवास विकास तक निकाली जाएगी। रैली का उद्घाटन सीएमओ डॉ. अरुण कुमार श्रीवास्तव करेंगे।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि इस बार पल्स पोलियो अभियान में 6.81 लाख बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। पल्स पोलियो अभियान का बूथ दिवस 22 नवंबर (रविवार) को आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए सभी की जिम्मेदारी निर्धारित कर दी गई है, ताकि एक भी बच्चा दवा पीने से वंचित न रह जाए। उन्होंने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने शून्य से पांच साल तक के बच्चों को हर हाल में पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. उपेंद्र कुमार ने बताया कि उन्होंने बताया कि भारत पोलियो मुक्त है, लेकिन कुछ पड़ोसी देशों में पोलियो वायरस अभी भी मौजूद है, जिस कारण इसके वापस लौटने का खतरा बना हुआ है। इसलिए बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए बीच-बीच में यह अभियान आयोजित किया जाता है, ताकि हमारे देश के बच्चे पोलियो की गंभीर बीमारी से सुरक्षित रहें। अभियान के दौरान 6.81 लाख शून्य से पांच साल तक के बच्चों को दवा पिलाई जाएगी। 22 नवंबर (रविवार) को 2703 बूथों पर पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। जो बच्चे बूथ दिवस पर दवा पीने से छूट जाएंगे, उन्हें स्वास्थ्य विभाग की 1761 टीमें 23 से 27 नवंबर (सोमवार से शुक्रवार) तक घर-घर जाकर दवा पिलाएंगी।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने बताया कि ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में टीमें अभियान में लगाई जाएंगी। इसके अलावा जिला स्तरीय अधिकारी भी पल्स पोलियो टीमों का औचक निरीक्षण करेंगे। उन्होंने बताया कि पल्स पोलियो अभियान का रोजाना शाम को ब्लॉक स्तर के नोडल अधिकारियों द्वारा फीडबैक लिया जाएगा और अभियान की समीक्षा की जाएगी।

कोलकाता से आये फूल बंगले में विराजे खाटूश्याम

- ताजगंज के खाटू श्याम मंदिर में 101 किलो लड्डुओं का भोग लगाकर मनाया जन्मोत्सव
- श्याम प्रेमियो ने मनाया लखदातार का जन्मदिन, रात 12 बजे तक खुलें कपाट

टीएनएफ टुडे, आगरा।



देवउठान एकादशी पर ताजगंज कटरा जोगीदास स्थित श्रीदाऊजी महाराज खाटूश्याम मंदिर पर श्याम बाबा का जन्मोत्सव मनाया गया। कलकत्ता के आर्किड और रजनीगंधा के फूलो से फूल बंगला सजाया गया। देवोत्थान एकादशी व श्याम बाबा के जन्मोत्सव के मौके पर श्रीदाऊजी महाराज खाटूश्याम मंदिर में झिलमिल रोशनी से जगमगाता रहा। काजू, बादाम, पिस्ते जैसी मेवाओं से श्रृंगारित श्याम बाबा के दर्शन को उनके जन्मोत्सव पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। हर भक्त श्याम बाबा की अलौकिक झलक पाने को ललायित था। भक्तों के लिए रात 12 बजे तक श्याम बाबा के दर्शन को भक्तों के लिए मंदिर के कपाट खुले रहें।

मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष राजू गोयल ने बताया कि देवोत्थान एकादशी पर खाटू नरेश का जन्मोत्सव हर वर्ष भक्तिभाव के साथ मनाया जाता है। सुबह बैंड बाजो के साथ आये श्रद्धालु विनोद कश्यप, पार्षद गुड्डू राठौर, पवन गर्ग और रिंकू राठौर ने 101 किलो लड्डू श्याम बाबा को अर्पित किये। संध्या काल में भक्तों ने भजन संध्या का आयोजन किया। स्थानीय भजन गायको ने श्याम बाबा के भजनों की प्रस्तुति दी। भजन संध्या में सैकड़ों भक्त श्याम बाबा की भक्ति में डूबे नजर आए। इस मौके पर बाबा के जयकारों संग भक्तों ने रात नौ बजे आतिशबाजी की। शहर के कोने-कोने से श्रद्धालु बाबा के दर्शन को पहुंचे। श्याम बाबा के जयकारों से मंदिर गूंजता रहा। इस अवसर पर महंत सत्यम मिश्रा, सचिव मयंक अग्रवाल, एडवोकेट पुनीत गोयल, निकेत जिंदल, प्रदीप राठौर, प्रवीण अग्रवाल, कृष्ण मुरारी अग्रवाल, राजेश गुप्ता, अनूप अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, रजत गोयल, श्वेता, उर्मिला, रुचिका, मधु आदि मौजूद रहे।

एक साथ विवाह बंधन में बंधे ग्यारह जोड़े, नाचते गाते पहुंचे बाराती

सद्भावना पार्क सेवा समिति ने किया कन्यादान, उपहार दिए

टीएनएफ टुडे, आगरा।

- समाज ने निभाई बेटियों की जिम्मेदारी, आशीर्वाद के साथ हुई भावुक विदाई



सद्भावना पार्क सेवा समिति की ओर से देवउठनी एकादशी के अवसर पर तृतीय सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन कमला नगर स्थित सद्भावना पार्क में आयोजित किया गया। समारोह के यज्ञाधीश संत रामदास जी महाराज, भाजपा महानगर अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, एसीपी पुलिस अभिषेक अग्रवाल, पूर्व स्वास्थ्य राज्यमंत्री रामबाबू हरित, अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष नितेश अग्रवाल, व्यापारी नेता टी. एन. अग्रवाल, भोलानाथ अग्रवाल और सपा नेता विनय अग्रवाल ने संयुक्त रूप ने नवदंपतियों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की।

संत रामदास महाराज ने कहा कि जब किसी बेटी का हाथ किसी सच्चे वर के हाथ में समाज की सहायता से रखा जाता है, तब ईश्वर स्वयं आशीर्वाद देते हैं। विवाह केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि संस्कारों, परिवारों और समाज का सुंदर संगम है। राजकुमार गुप्ता ने कहा कि सामूहिक विवाह समाज में समानता और सहयोग की मिसाल हैं। गरीब परिवारों की बेटियों को सम्मानपूर्वक विदाई कर देना समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

अध्यक्ष मुरारी प्रसाद अग्रवाल व महामंत्री विनोद गर्ग ने बताया कि यह आयोजन ग्यारह परिवारों की उम्मीदों और नई शुरूआत का उत्सव है। बैंड-बाजों और ढोल-नगाड़ों के साथ ग्यारह दूल्हों की बारात सुबह 10 बजे श्रीराम चौक से निकली जो सद्भवना पार्क पहुंची, जहां समिति की महिला सदस्य मीरा अग्रवाल, चारू गर्ग, सीमा अग्रवाल, शालिनी अग्रवाल, शुचि गर्ग, रितु गर्ग, शिखा गर्ग, मोनिका, प्रियंका और श्वेता ने पारंपरिक रीति-रिवाजों से उनका स्वागत किया। इसके बाद जयमाला की रस्म पूरी होने पर पूरा सद्भवना पार्क तालियों से गूंज उठा।

प्रभारी डॉ. आदित्य रस्तोगी और डॉ. एकता अग्रवाल ने बताया कि नवविवाहित जोड़ो को गृहस्थी आरंभ करने के लिए अलमारी, एल.ई.डी. टीवी, फ्रिज, डबल बेड, पंखा, सिलाई मशीन, कूलर, सूटकेस, मिक्सी, वाटर कूलर, बर्तन और अन्य आवश्यक सामग्री भी उपहार स्वरूप प्रदान की गई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच नवयुगलों ने सात फेरे लेकर जीवनभर साथ निभाने का संकल्प लिया। इसके बाद भावुक माहौल में सभी जोड़ों को विदाई दी गई, जहां उपस्थित जनों की आंखें नम हो उठीं। इस अवसर पर संरक्षक अनिल गोयल, संयोजक श्रीभगवान अग्रवाल, कोषाध्यक्ष महेशचन्द अग्रवाल सुशील गुप्ता, बंगाली मल अग्रवाल, मनोज रेमन्ड, श्याम सुन्दर, पार्षद प्रदीप अग्रवाल, विनीता अग्रवाल, आशा अग्रवाल, पूजा जैन आदि मौजूद रहे।



नेहरु नगर में 'द कोटरी कैफे बाय डीजर्ट' का भव्य शुभारंभ

आगरा। शहर में खानपान और कैफे संस्कृति को नया आयाम देने की दिशा में नेहरु नगर में शुक्रवार को द कोटरी कैफे बाय डीजर्ट का भव्य शुभारंभ किया गया। आधुनिक सुविधाओं और आकर्षक माहौल के साथ तैयार किए गए इस कैफे का उद्घाटन एपी ज्वेलर्स के निदेशक योगेश अग्रवाल गुड्डन ने मुख्य द्वार का फीता काटकर किया। मुख्य अतिथि योगेश अग्रवाल ने कैफे के निदेशकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शहर में इस तरह के नए प्रतिष्ठान खुलने से लोगों को खानपान के नए विकल्प मिलते हैं और व्यापारिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलता है। कैफे के निदेशक निशांत मुलतानी और पारस वर्मा ने बताया कि ग्राहकों को स्वाद के साथ स्वच्छता और गुणवत्ता का बेहतर अनुभव उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से यहां हाइजीनिक फूड और गुणवत्तापूर्ण खानपान पर विशेष ध्यान दिया गया है। कैफे में चाइनीज और कॉन्टिनेंटल व्यंजनों की विभिन्न वैरायटी के साथ स्पेशल कॉफी का भी आनंद लिया जा सकेगा। करीब 1800 स्क्वायर फीट क्षेत्रफल में फैले इस कैफे में एक साथ करीब 50 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। कैफे में आने वाले ग्राहकों के लिए पार्किंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इस अवसर पर उत्तम वर्मा, हरीश मुलतानी, सौरभ गोयल, ललित वर्मा, संजय वर्मा, विष्णु वर्मा, प्रिया वर्मा, पूजा वर्मा, ममता वर्मा आदि उपस्थित रहे।

विवि के पांच विद्यार्थियों को मिला 8 लाख रुपये का वार्षिक पैकेज

टीएनएफ टुडे, आगरा।



डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से बड़ी सफलता हासिल कर अपनी प्रतिभा और तकनीकी कौशल का परचम लहराया है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित कैंपस रिक्रूटमेंट ड्राइव में माइंडसीकर्स टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड ने विश्वविद्यालय के पांच होनहार विद्यार्थियों का चयन किया है। इन चयनित विद्यार्थियों को 6 लाख रुपये का वार्षिक फिक्स्ड पैकेज और 2 लाख रुपये तक का वार्षिक इंसेंटिव (वेरिएबल) यानी कुल 8 लाख रुपये तक का वार्षिक पैकेज प्रदान किया जाएगा।

इस भर्ती प्रक्रिया में विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों के कुल 75 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था, जिनमें से शुरूआती चरणों के बाद 25 विद्यार्थियों को अगले राउंड के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। इसके पश्चात हुए व्यक्तिगत साक्षात्कार (पर्सनल इंटरव्यू) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अंतिम रूप से पांच विद्यार्थियों ने चयन सूची में अपना स्थान पक्का किया। चयनित होने वाले विद्यार्थियों में बीसीए पाठ्यक्रम की भूमिका, गुरुकांत आनंद और देवांश वर्मा तथा बीटेक पाठ्यक्रम के उज्ज्वल शर्मा और विवेक सिंह शामिल हैं।

इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. आशु रानी ने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता विश्वविद्यालय के गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, कौशल विकास और रोजगारपरक शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष परिणाम है। उन्होंने युवाओं को निरंतर परिश्रम, आत्मविश्वास और सीखने की ललक बनाए रखते हुए करियर में नई ऊंचाइयां छूने के लिए प्रेरित किया।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के प्रमुख प्रो. अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को उद्योग जगत की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने और उन्हें सर्वश्रेष्ठ रोजगार अवसर दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह सफलता परिसर के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी और भविष्य में भी ऐसे प्लेसमेंट अभियान जारी रहेंगे। विश्वविद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

विवि में आज से 10 दिवसीय राष्ट्रीय एनएसएस पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर

टीएनएफ टुडे, आगरा।



डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद खंदारी परिसर में 21 से 30 नवंबर तक राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के दस दिवसीय पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर (मध्य क्षेत्र)-2026 का भव्य आयोजन होने जा रहा है। शुक्रवार को कुलपति प्रो. आशु रानी की अध्यक्षता में आयोजित प्रेस वार्ता में इस राष्ट्रीय शिविर की रूपरेखा और महत्व की जानकारी साझा की गई। शिविर का विधिवत उद्घाटन शनिवार, 21 नवंबर को शाम 4 बजे खंदारी परिसर स्थित जय प्रकाश नारायण सभागार में उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय करेंगे।

कुलपति प्रो. आशु रानी ने बताया कि भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत एनएसएस क्षेत्रीय निदेशालय (उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड), लखनऊ और विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में यह आयोजन हो रहा है। इसमें मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के 67 विश्वविद्यालयों व 162 महाविद्यालयों से चयनित कुल 200 स्वयंसेवक (100 छात्र और 100 छात्राएं) भाग ले रहे हैं, जिनके साथ 10 कार्यक्रम अधिकारी व दलनायक भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि शिविर का मुख्य लक्ष्य युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र समर्पण की भावना को मजबूत करना है। दस दिनों तक प्रतिदिन परेड अभ्यास के साथ योगाभ्यास, बौद्धिक सत्र और सांस्कृतिक संध्याएं आयोजित होंगी।

शिविर का सबसे अहम आकर्षण आगामी गणतंत्र दिवस परेड के लिए अंतिम चयन प्रक्रिया होगी। यहां उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्वयंसेवकों को 26 जनवरी 2027 को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित होने वाली राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस परेड में राष्ट्रपति के समक्ष एनएसएस का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा।

विश्वविद्यालय की एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक एवं आयोजन समन्वयक डॉ. पूनम तिवारी ने बताया कि सांस्कृतिक संध्याओं में छह राज्यों के युवा अपनी लोक कला, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत की प्रस्तुतियां देंगे, जिससे राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समन्वय को बल मिलेगा। प्रेस वार्ता का संचालन विश्वविद्यालय के जनसंपर्क प्रकोष्ठ द्वारा किया गया, जिसमें जनसंपर्क अधिकारी पूजा सक्सेना, सहायक जनसंपर्क अधिकारी डॉ. स्वेतलाना और तरुण श्रीवास्तव की प्रमुख भूमिका रही।

एआई आधारित भर्ती प्रक्रिया और करियर की बारीकियों से रूबरू हुए विद्यार्थी



आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) परिसर में गुरुवार को वॉकिंगट्री टेक्नोलॉजीज के सहयोग से रोजगार चयन अभियान (प्लेसमेंट ड्राइव) का आयोजन किया गया। इसमें कंप्यूटर साइंस, एमसीए और एमएससी कंप्यूटर साइंस के अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अभियान का शुभारंभ करते हुए आईईटी के निदेशक डॉ. मनु प्रताप सिंह ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में केवल डिग्री या शैक्षणिक योग्यता पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षता, प्रभावी संचार कौशल, व्यावहारिक ज्ञान और उद्योगों की बदलती जरूरतों के अनुरूप खुद को तैयार करना होगा। उन्होंने शिक्षण संस्थानों और कॉरपोरेट जगत के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर बल दिया। संस्थान के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस प्रो. देवेंद्र सक्सेना ने महत्वपूर्ण समन्वय किया। उन्होंने औद्योगिक संबंधों को मजबूत करने और छात्रों को रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण देने की आवश्यकता को रेखांकित किया। सत्र के दौरान वॉकिंगट्री टेक्नोलॉजीज की टीम ने विद्यार्थियों को करियर मार्गदर्शन देते हुए आईटी सेक्टर में बदलती भर्ती प्रक्रियाओं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित 'स्मार्ट रिक्रूट' मंच की कार्यप्रणाली और भविष्य में तकनीक के क्षेत्र में उभरती रोजगार संभावनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार गंभीर घायल, चालक ट्रक लेकर फरार

फतेहाबाद। शुक्रवार को फतेहाबाद के फिरोजाबाद चौराहे के नजदीक ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही थाना फतेहाबाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। घायल को एंबुलेंस की मदद से आगरा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, राकेश (32) पुत्र ओमप्रकाश निवासी गंगोरा बसई, थाना फतेहाबाद, अपनी पत्नी और फुफुआ सास को फतेहाबाद के फिरोजाबाद चौराहे पर छोड़कर बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान चौराहे के नजदीक एक ट्रक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में राकेश गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से ट्रक लेकर फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दबंग युवक ने घर में घुसकर बदनीयत से दबोची नाबालिग, पुलिस में शिकायत करने से बौखलाये दबंगों ने घर में घुसकर मां बेटी से की मारपीट

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

थाना मनसुख पुरा क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में दबंग युवक ने घर में घुसकर नाबालिक को घर में अकेली देख बदनीयत से दबोच किया। तभी किशोरी के शोर मचाने पर नाबालिग की छोटी बहिन को आता देख दबंग पुलिस में शिकायत करने पर अंजाम भुगतने की धमकी देकर भाग गया।पुलिस में लिखित शिकायत करने से बौखलाये दबंगों ने घर में घुसकर मां बेटी के साथ मारपीट कर दी। पीड़ित का आरोप है कि थाने में लिखित शिकायत के बावजूद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है। जिससे दबंग के हौसले बुलंद है।

घटना गुरुवार शाम करीब 6 बजे की है।जानकारी के अनुसार थाना मनसुखपुरा क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव निवासी 12 वर्षीय नाबालिग किशोरी घर पर अकेली थी। पीड़ित नाबालिक किशोरी की मां अपने मायके शादी समारोह में गई थी।पिता अपनी कार की सर्विस कराने के लिए फतेहाबाद गए थे।तभी नाबालिग किशोरी को घर के अंदर अकेला देख पड़ोस का ही युवक घर में घुस आया।और नाबालिग किशोरी को घर में अकेला देख उसे बदनीयत से दबोच लिया।और उससे गलत काम करने के लिए जबरदस्ती करने लगा।तभी नाबालिग किशोरी ने शोर मचाना शुरू कर दिया।नाबालिग के शोर मचाने पर छोटी बहिन आ गयी।छोटी बहिन को आता देख दबंग पुलिस में शिकायत करने पर अंजाम भुगतने की धमकी देकर भाग गया।माता पिता के घर पहुंचने पर शाम को नाबालिग ने अपने साथ हुई पूरी घटना की जानकारी दी।पीड़ित परिजन अपनी नाबालिग बेटी के साथ थाने पहुंचे।और थाने पहुंचकर दबंगो के खिलाफ थाने में लिखित तहरीर दी।लेकिन पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की।पुलिस में शिकायत करने से बौखलाए दबंगो ने शुक्रवार शाम करीब 6 बजे घर में घुसकर माँ बेटी के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट कर दी।जब पिता राजाखेडा से वापस लौटे तो उन्हें घटना की जानकारी हुई तो फिर थाने पहुंचे।लेकिन पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की।

सीकरी में सामूहिक विवाह समारोह, 12 जोड़े बने जीवनसाथी

टीएनएफ टुडे, फतेहपुर सीकरी।

- अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को उपहार भेंट कर दिया सुखमय वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद



फतेहपुर सीकरी कस्बा संघ स्थान पर शांतनु सेवा फाउंडेशन द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में 12 निर्धन जरूरतमंद परिवारों के जोड़े वैदिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह बंधन में बंधकर एक-दूजे के हो गए। समारोह में विवाह की रस्में हर्षोल्लास एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुईं । कस्बा की मंतोलीराम बगीची से 12 दूल्हे घोड़ों पर बैठकर निकले तो कस्बा के लोगों ने स्वागत किया,

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को उपहार भेंट किए और उनके सुखमय वैवाहिक जीवन की कामना करते हुए आशीर्वाद दिया। समारोह में परिजनों एवं उपस्थित लोगों ने नवदंपतियों को शुभकामनाएं दीं। विवाह समारोह के दौरान माहौल उत्साह, खुशियों और मंगल गीतों से सराबोर रहा।

सामूहिक विवाह समारोह के माध्यम से नवविवाहित जोड़ों ने नई जिंदगी की शुरूआत की। आयोजन में विवाह की विभिन्न रस्में पंडितो द्वारा विधिवत संपन्न कराई गईं।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मुख्य अतिथि भाजपा नेता समाजसेवी यशपाल चौधरी ,फाउंडेशन के अध्यक्ष शांतनु अग्रवाल , चेयरमैन मोहम्मद इस्लाम ,पूर्व अध्यक्ष टीसी मित्तल , अशोक मित्तल, नवल किशोर ,रामू जायसवाल,राजेंद्र प्रजापति ,अमित सिंघानिया,बृजेश मंगल,राहुल घाटी,आनंद कुमार ,विष्णु सोंख ,देवेंद्र अग्रवाल जाजौली,केदार गर्ग , अनुराग गोयल अनिल सिंघल का विशेष सहयोग रहा कार्यक्रम का कुशल संचालन दूरा अग्रवाल सेवा समिति अध्यक्ष विपिन अग्रवाल, अनुज मित्तल ने संयुक्त रूप से किया ।

TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday tnftoday
www.tnftoday.com / epaper

ताजमहल और शहर के सौंदर्यीकरण को लगेंगे पंख

टीएनएफ टुडे, आगरा।

मण्डलायुक्त नगेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में शुक्रवार को लघु सभागार में पथकर सलाहकार समिति की 42वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर के पर्यटन स्थलों के विकास, सौंदर्यीकरण और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से जुड़े लगभग 15.29 करोड़ रुपये के नए कार्य प्रस्तावों को सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई।

बैठक के आरंभ में पिछली बैठक की अनुपालन आख्या की समीक्षा करते हुए बताया गया कि ताजमहल और फतेहपुर सीकरी पर कुल 6 वाटर एटीएम स्थापित किए जा चुके हैं। समिति सदस्यों की मांग पर ताज पूर्वी गेट पर एक अतिरिक्त वाटर एटीएम लगाने के निर्देश दिए गए। फतेहपुर सीकरी में लाइट एंड साउंड शो का कार्य पूरा होने पर मण्डलायुक्त ने एडीए उपाध्यक्ष को इसका अंतिम अवलोकन करने को कहा, जबकि सीकरी के आगरा गेट की फसाड लाइटिंग और सौंदर्यीकरण कार्य पूर्ण होने की जानकारी दी गई।

मण्डलायुक्त ने शहर के मुख्य मार्गों पर एक माह के भीतर स्टोन साइनेज लगाने, शमशाबाद मार्ग अंडरपास की फसाड लाइटिंग समय



पर पूरी करने और ताज पूर्वी गेट पर क्लॉक रूम के लिए नगर निगम से एनओसी की प्रक्रिया जल्द निपटाने के निर्देश दिए। साथ ही, 'आई लव' सेल्फी प्वाइंट, ताज व्यू प्वाइंट और शहर के पांच प्रमुख मार्गों की प्रकाश व्यवस्था नगर निगम को हस्तांतरित करने तथा पथकर निधि से हो रहे सभी कार्यों का एक कमेटी गठित कर सत्यापन कराने को कहा।

समिति द्वारा स्वीकृत 15.29 करोड़ रुपये के प्रमुख कार्यों में ताज पूर्वी गेट पर प्री-फैब्रिकेटेड क्लॉक रूम निर्माण, पश्चिमी गेट से शमशान घाट तक तार फेंसिंग, सैलानियों के लिए व्हील चेयर सुविधा और विदेशी पर्यटकों को एक वर्ष तक वेलकम किट (पानी की बोतल, शू-कवर व कैरी बैग) उपलब्ध कराना शामिल है। इसके अतिरिक्त इनर रिंग रोड के रहनकलां टोल प्लाजा व एक्सप्रेस-वे के पास ग्रीनबेल्ट में पार्क विकास, आगरा किला के अमर सिंह गेट के पास दीवार की मरम्मत, एंबुलेंस व आरओ प्लांट के वार्षिक रखरखाव और प्रमुख मार्गों की स्ट्रीट लाइटों के संचालन को भी मंजूरी दी गई।

- 15.29 करोड़ के प्रस्तावों को मिली हरी झंडी
- मण्डलायुक्त नगेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में हुई बैठक
- विदेशी पर्यटकों को मिलेगी वेलकम किट, फतेहपुर सीकरी में लाइट एंड साउंड शो तैयार, मलिन बस्तियों की भी बदलेगी तस्वीर

बैठक में जनप्रतिनिधियों के प्रस्तावों पर भी मुहर लगाई गई। इसके तहत घटिया आजम खां के पास पौराणिक नीलकंठ महादेव मंदिर के स्वागत द्वार का निर्माण, राधा नगर, श्यामपुरम, प्रकाश नगर, सुशील नगर, मोती महल व सूर्य नगर नगला मोहन लाल की मलिन बस्तियों में सीसी सड़क व नाली निर्माण तथा फतेहपुर सीकरी नगर पालिका क्षेत्र में स्टेशन मोड़ से पथवारी और रेलवे गेट नंबर 40 से ग्वालियर गेट होते हुए मजार तक दोनों ओर इंटरलॉकिंग पाथ-वे का निर्माण कराया जाएगा। बैठक में जिलाधिकारी मनीष कुमार बंसल, एडीए उपाध्यक्ष विजय कुमार, नगर आयुक्त संतोष कुमार, एडीए सचिव संजय कुमार, प्रभागीय वन अधिकारी राजेश कुमार, क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी शक्ति सिंह, एएसआई अधिकारी तथा समिति सदस्य राजीव सक्सेना, राकेश चौहान व राजेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

ईवीएम डिमॉन्स्ट्रेशन सेंटर और मतदाता हेल्प डेस्क का निरीक्षण

कोई भी पात्र मतदाता सूची में शामिल होने से न छूटे

टीएनएफ टुडे, आगरा।

भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त मनीष गर्ग ने शुक्रवार को मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप और जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष बंसल के साथ कलेक्ट्रेट तथा सदर तहसील में स्थापित ईवीएम डिमॉन्स्ट्रेशन सेंटर का निरीक्षण किया। आमजन को ईवीएम और वीवीपैट की कार्यप्रणाली से परिचित कराने के उद्देश्य से बनाए गए इन केंद्रों पर उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सदर तहसील में उपस्थित दयालबाग निवासी जय सिंह तोमर और बरौली निवासी गुड्डी देवी ने वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त के समक्ष स्वयं ईवीएम का बटन दबाकर मतदान प्रक्रिया का अभ्यास किया और



वीवीपैट के माध्यम से अपने मत की पुष्टि की प्रक्रिया को समझा।

इसके पश्चात वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त ने जीआईसी स्थित बूथ संख्या 184 से 187, होलमेन इंस्टीट्यूट स्थित बूथ संख्या 05 से 09 तथा ग्राम कलाल खेड़िया स्थित प्राथमिक विद्यालय में बूथ संख्या 384 से 387 पर संचालित मतदाता हेल्प डेस्क का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां तैनात बीएलओ से सीधा संवाद कर विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के अंतर्गत चल रहे मतदाता पंजीकरण एवं सत्यापन कार्य की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने फॉर्म-6, 7 और 8 के

- आयुक्त नगेंद्र प्रताप और डीएम मनीष बंसल के साथ कलेक्ट्रेट व सदर तहसील का लिया जायजा

माध्यम से प्राप्त होने वाले आवेदनों, उनके संग्रहण और डिजिटाइजेशन की स्थिति की जानकारी ली।

वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त ने बीएलओ के कार्यों की सराहना करते हुए निर्देश दिए कि मतदाता सूची को पूरी तरह शुद्ध, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के लिए गंभीरता से कार्य किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे। विशेष रूप से युवा एवं महिला मतदाताओं के पंजीकरण को प्राथमिकता दी जाए और 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी पात्र युवाओं के नाम सूची में जोड़े जाएं। उल्लेखनीय है कि मतदाता सूची में नया नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6, नाम कटवाने या आपत्ति के लिए फॉर्म-7 तथा संशोधन या निवास परिवर्तन के लिए फॉर्म-8 के जरिए ऑनलाइन व ऑफलाइन आवेदन किया जा सकता है। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (नगर) यमुनाधर चौहान, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) संदीप कुमार वर्मा, अपर जिलाधिकारी (नागरिक आपूर्ति) प्रशांत कुमार, एसडीएम सदर विक्रम सिंह राघव, एसडीएम नरेंद्र गंगवार और नायब तहसीलदार अनिल चौधरी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

22 को शाम 6 बजे होगा ब्लैक आउट मॉक ड्रिल

- घबराने की जरूरत नहीं: एडीएम सिटी
- हवाई हमले से बचाव की रिहर्सल मात्र है अभ्यास
- साइरन बजते ही गुल होगी बिजली, राहत व बचाव दलों की रहेगी तैनाती



टीएनएफ टुडे, आगरा।

पुलिस लाइन परिसर में 22 नवंबर को शाम 6 बजे नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) के तहत ब्लैक आउट मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। उत्तर प्रदेश शासन के प्रमुख सचिव (नागरिक सुरक्षा) के निदेशों के क्रम में होने वाले इस अभ्यास की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी (नगर) एवं प्रभारी नागरिक सुरक्षा यमुनाधर चौहान की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। एडीएम सिटी ने स्पष्ट किया कि यह हवाई हमले से बचाव की तैयारी और रिहर्सल मात्र है, इसलिए स्थानीय नागरिकों को किसी भी तरह से घबराने या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है।

बैठक में बताया गया कि 22 नवंबर को शाम 6 बजे मॉक ड्रिल स्थल पर हवाई हमले से बचाव के लिए ऊंची-नीची आवाज में साइरन बजाया जाएगा। साइरन बजते ही टोरेंट पावर द्वारा मॉक ड्रिल क्षेत्र के आसपास की विद्युत आपूर्ति बंद कर दी जाएगी और प्रतिभागी सुरक्षित स्थानों पर शेल्टर लेंगे। इसके बाद शाम 6:06 बजे हवाई हमला समाप्त होने का संकेत देते हुए तेज आवाज में साइरन बजाया जाएगा, जिसके तुरंत बाद बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

अभ्यास के दौरान आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए विभिन्न विभागों के समन्वय से राहत और बचाव कार्य संचालित किए जाएंगे। इनमें क्षतिग्रस्त भवनों में फंसे लोगों को लोक निर्माण विभाग, होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों द्वारा सुरक्षित बाहर निकालना, बड़ी आग पर अग्निशमन विभाग तथा छोटी आग पर स्वयंसेवकों द्वारा काबू पाना शामिल है। इसके साथ ही घटनास्थल पर एनसीसी कैडेट्स व स्वयंसेवकों द्वारा प्राथमिक उपचार और स्वास्थ्य विभाग की एंबुलेंस से गंभीर घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाने का अभ्यास होगा। मॉक ड्रिल के दौरान पुलिस यातायात व शांति व्यवस्था संभालेगी, जबकि शिक्षा विभाग के माध्यम से नजदीकी स्कूलों के विद्यार्थियों को भी जागरूकता के उद्देश्य से अभ्यास में शामिल किया जाएगा। बैठक में उप नियंत्रक (नागरिक सुरक्षा) मुनेश कुमार गुप्ता सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

संविधान दिवस पर जिले के सभी स्कूलों में गूंजेगी संविधान की प्रस्तावना



टीएनएफ टुडे, आगरा।

संविधान दिवस के अवसर पर आगामी 26 नवंबर को जनपद के सभी विद्यालयों में 'एक स्वर, एक संविधान' कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कराया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, आगरा के पूर्णकालिक सचिव पंकज कुमार-क ने शुक्रवार को विद्यालयों का निरीक्षण करने के साथ ही संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

बैठक में निर्देशित किया गया कि 26 नवंबर को सुबह 9 बजे जिले के सभी स्कूलों में संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन सुनिश्चित किया जाए, ताकि विद्यार्थियों में संवैधानिक मूल्यों, मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता तथा सम्मान की भावना विकसित हो सके। कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार, सुबह 11 से दोपहर 12 बजे तक क्विज प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके पश्चात दोपहर 12 बजे 'लीगल कैडेट कॉर्प्स' की घोषणा होगी और दोपहर 1 बजे प्रतियोगिताओं के परिणाम जारी कर विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया जाएगा। सचिव पंकज कुमार-क ने सभी शिक्षण संस्थानों को कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार करने, अधिकतम विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करने और आयोजन का विस्तृत विवरण समय पर प्राधिकरण को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से जानकारी दी गई कि दीवानी न्यायालय परिसर में वादकारियों की सुविधा के लिए दो विशेष लोक अदालतों का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत 21 नवंबर को एनआई एक्ट की धारा 138 (चेक बाउंस) से जुड़े मामलों के निस्तारण हेतु विशेष लोक अदालत लगेगी, जबकि 28 नवंबर को मोटर वाहन अधिनियम से संबंधित मामलों के लिए विशेष लोक अदालत आयोजित की जाएगी। इस दौरान पक्षकार संबंधित न्यायालय में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर 'सेतु ऐप' के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करते हुए अपने लंबित वाहन चालानों का त्वरित निस्तारण करा सकेंगे।

आगरा में हरिद्वार और काशी की तर्ज पर भव्य होगी यमुना आरती

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में शुक्रवार को कैंप कार्यालय सभागार में जिला गंगा, पर्यावरण, वेटलैंड और वृक्षारोपण समितियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने दशहरा घाट और हाथी घाट पर होने वाली साप्ताहिक यमुना आरती को हरिद्वार और वाराणसी की तर्ज पर भव्य स्वरूप देने तथा इसमें जनसहभागिता बढ़ाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।



नदी संरक्षण और पर्यावरण सुधार कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने यमुना में गिरने वाले आंशिक रूप से टैप्ड नालों के शेष कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा करने को कहा। इसके साथ ही 'एक जनपद-एक नदी' अभियान के तहत ऊटंगन नदी के पुनरुद्धार के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने और जिले को सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त करने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए।

- सफाई व्यवस्था परखने को सुबह 7 बजे मैदान में उतरेंगे 10 एसडीएम
- डीएम मनीष बंसल ने की जिला गंगा, पर्यावरण, वेटलैंड और वृक्षारोपण समितियों की समीक्षा; ऊटंगन नदी के पुनरुद्धार व नालों की शत-प्रतिशत टैपिंग के निर्देश

वर्ष 2026-27 के तहत हुए वृक्षारोपण की समीक्षा करते हुए उन्होंने पौधों की जियो-टैगिंग और स्थलीय सत्यापन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि कहीं पौधे नष्ट हुए हैं, तो उनके स्थान पर तत्काल नए पौधे रोपकर उनका संरक्षण किया जाए।

शहर की स्वच्छता व्यवस्था को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए जिलाधिकारी ने सुबह 7 से 9 बजे तक 10 एसडीएम के माध्यम से रैंडम निरीक्षण कराने के निर्देश दिए। इस दौरान सफाई सुपरवाइजर व कर्मियों की उपस्थिति के साथ-साथ डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन का भी सत्यापन होगा। इसके अलावा शहर के सभी 100 वार्डों को 10-10 के समूहों में बांटकर अधिकारियों को नियमित निगरानी करने को कहा गया। बैठक में डीएफओ राजेश कुमार, एडीएम नमामि गंगे जुबैर बेग, डीडीओ भावना यादव, सीवीओ डॉ. डीके पांडेय, उपनिदेशक कृषि मुकेश कुमार, डिप्टी सीएमओ डॉ. जितेंद्र लवानिया, डॉ. मुकेश चौधरी, पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता राघवेंद्र वर्मा और सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता नीरज कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

दीवानी न्यायालय परिसर की सुरक्षा होगी चाक-चौबंद

टीएनएफ टुडे, आगरा।

दीवानी न्यायालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ व प्रभावी बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जनपद न्यायाधीश की अध्यक्षता में जनपद की समस्त बार एसोसिएशनों के अध्यक्षों, सचिवों, पदाधिकारियों और न्यायिक अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। गुरुवार (19 नवंबर) को न्यायालय परिसर में घटित घटना के मद्देनजर बुलाई गई इस बैठक में परिसर के भीतर अनुशासन, सुव्यवस्था और वादकारियों, अधिवक्ताओं व आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर विस्तार से मंथन किया गया।



सभी बार एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों की सहमति से बैठक में दो प्रमुख प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए।

पहले प्रस्ताव के तहत न्यायालय परिसर में वाहन पार्किंग व्यवस्था को पूरी तरह नियंत्रित करने का निर्णय लिया गया है। अब परिसर में आने वाले आम नागरिकों और वादकारियों के निजी वाहनों को केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा करने की अनुमति होगी। निर्धारित स्थानों के अलावा न्यायालय परिसर के किसी भी अन्य हिस्से में वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। अनावश्यक भीड़भाड़, अव्यवस्थित पार्किंग और संभावित सुरक्षा खतरों को रोकने के लिए संबंधित अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों को इस व्यवस्था का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं।

दूसरे प्रस्ताव के अंतर्गत न्यायालय परिसर में सक्रिय अपंजीकृत अधिवक्ताओं और अनधिकृत व्यक्तियों की पहचान एवं सत्यापन करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत ऐसे व्यक्तियों को चिह्नित किया जाएगा जो बार काउंसिल में विधिवत पंजीकृत नहीं हैं, लेकिन स्वयं को अधिवक्ता बताकर विधि व्यवसाय से जुड़ी गतिविधियों में संलिप्त रहते हैं। विशेष रूप से विधि छात्रों या अन्य गैर-पंजीकृत व्यक्तियों की गतिविधियों की जांच कर उनकी वास्तविक पहचान और विधिक स्थिति का सत्यापन कराया जाएगा, ताकि नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जा सके। बैठक में सभी पक्षों ने इन दोनों प्रस्तावों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर सहमति जताई है।

हेलमेट पहनने के प्रति जागरूकता को लेकर निकाली जनसंदेश रैली

सड़क सुरक्षा का दिया संदेश, युवाओं से हेलमेट पहनने की अपील

सैंया। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को रोकने और युवाओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से स्वच्छ पर्यावरण समृद्ध जीवन समिति के बैनर तले सैंया में हेलमेट की उपयोगिता को लेकर जनसंदेश रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से युवाओं एवं दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने ,नशे में गाड़ी चलने के प्रति जागरूक किया गया।

रैली के दौरान लोगों को संदेश दिया गया कि ह्लहेलमेट है जीवन की सुरक्षा, इसे पहनना न समझें मजबूरी।ह्व समिति के सदस्यों ने युवाओं से अपील की कि दोपहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट का प्रयोग करें और यातायात नियमों का पालन कर स्वयं के साथ दूसरों की जिंदगी भी सुरक्षित रखें।

उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना के दौरान हेलमेट सिर को गंभीर चोट से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। थोड़ी सी लापरवाही जीवनभर की परेशानी बन सकती है, इसलिए बाइक चलाते समय हेलमेट पहनना बेहद जरूरी है।

इस दौरान जाकिर हुसैन, माता प्रसाद, प्रताप सिंह, पवन नौहवार, डोरी लाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए धीरज शर्मा द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

सोनिया गांधी की किताब बिलॉन्गिंग को लेकर सियासी गलियारों में उबाल

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के संस्मरण बिलॉन्गिंग अ जर्नी ऑफ लव के विमोचन के बाद से ही देश की सियासत और दिल्ली के सत्ता गलियारों में मानो भूचाल सा आ गया है। एक तरफ कांग्रेस के खेमे में इसे भावनात्मक त्याग और पारिवारिक संवेदनाओं का दस्तावेज बताकर सहानुभूति बटोरने की पुरजोर कोशिश की जा रही है तो दूसरी तरफ सियासी विश्लेषक इसके भीतर छिपे राजनीतिक संदेशों को बारीकी से खंगाल रहे हैं। विमोचन मंच पर विपक्षी क्षत्रपों के जुटान और यहां तक कि भाजपा के पाले में जा चुके पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की मौजूदगी ने सियासी गलियारों में नई अटकलों को हवा दे दी है। राजनीतिक हलकों में इस बात पर तेज कानाफूसी चल रही है कि क्या यह किताब महज निजी यादों का पिटारा है या फिर आने वाले चुनावी संग्राम से पहले विपक्ष को एकजुट करने और पुराने समीकरणों को साधने का सोचा-समझा सियासी पैंतरा है। विरोधी दलों के नेता इस पूरे घटनाक्रम को तीखी नजरों से देख रहे हैं और सवाल उठा रहे हैं कि सत्ता के शीर्ष पर लंबे समय तक काबिज रहे परिवार के संस्मरण में कई संवेदनशील ऐतिहासिक अध्यायों को इतनी चतुराई से क्यों किनारे कर दिया गया। सत्ता के गलियारों में यह चर्चा भी आम है कि किताब के पन्नों में जहां भावनाओं की नरमी दिखाई गई है वहीं राजनीतिक फैसलों के कई कड़वे और विवादास्पद मोड़ों पर साधी गई चुप्पी अपने आप में कई बड़े सवाल खड़े करती है। चाहे इसे भावनात्मक अस्त्र मानें या सियासी जमीन मजबूत करने की कवायद लेकिन इतना तय है कि इस किताब ने भारतीय राजनीति के गलियारों में बहस का एक नया और तीखा अध्याय जरूर खोल दिया है। Sonia Gandhi launches memoir Belonging यह वीडियो सोनिया गांधी की किताब के विमोचन और उससे जुड़े सियासी घटनाक्रम की सीधी झलक दिखाता है जो इस संपादकीय की पृष्ठभूमि को समझने में मदद करता है।

अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा

श्रीकृष्ण ने स्वयं दैत्यगुरु शुक्राचार्य के उस अजेय कवच की गुप्त विधि का रहस्य खोला था जो मृत्यु को भी पीछे धकेल सकता था

महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाभारत के उद्योग पर्व और भीष्म पर्व के कई अत्यंत दुर्लभ तथा गोपनीय अध्यायों में कुरुक्षेत्र के महायुद्ध से ठीक पहले हुए एक गुप्त संवाद से जुड़ी यह पावन और रोमांचक कथा संपूर्ण सृष्टि में भगवान श्रीकृष्ण की अद्भुत कूटनीति और दैत्यगुरु शुक्राचार्य की दिव्य विद्या के उस गुप्त सत्य को उजागर करती है जिसे बहुत कम लोग जानते हैं।

जब कुरुक्षेत्र की रणभूमि में कौरवों और पांडवों की विशाल सेनाएं आमने-सामने डटी थीं और भीष्म पितामह, द्रोणाचार्य तथा कर्ण जैसे अजेय महारथियों के पराक्रम को लेकर युधिष्ठिर के मन में गहरा संदेह उत्पन्न हो गया था, तब धर्मराज ने भगवान श्रीकृष्ण से यह पूछा कि इस धर्मयुद्ध में विजय और प्राणरक्षा का सबसे गुप्त और अमोघ उपाय क्या है।

भगवान श्रीकृष्ण ने मुस्कुराते हुए युधिष्ठिर को उस प्राचीन रहस्य के बारे में बताया जिसे स्वयं असुरों के गुरु शुक्राचार्य ने अपनी कठोर तपस्या और अद्भुत साधना से सिद्ध किया था ताकि कठिन से कठिन संग्राम में भी साधक का मनोबल और प्राणशक्ति अडिग बनी रहे।

श्रीकृष्ण ने बताया कि शुक्राचार्य की उस गुप्त विद्या का मूल आधार केवल शस्त्रों की धार नहीं बल्कि मन की एकाग्रता, सत्य के प्रति अटल निष्ठा और उस अदृश्य रक्षा कवच का स्मरण है जो युद्ध के कोलाहल के बीच भी व्यक्ति के भीतर शांति और असीम साहस का संचार करता है।

उन्होंने यह भी खुलासा किया कि जब दैत्यों और देवताओं के बीच भीषण संघर्ष होता था, तब शुक्राचार्य अपने शिष्यों को बाहरी बल के साथ-साथ आंतरिक संकल्प की उस गुप्त साधना का अभ्यास कराते थे जिससे बड़े से बड़े प्रहार भी साधक को विचलित नहीं कर पाते थे।

युधिष्ठिर ने जब उस गुप्त साधना के मर्म को गहराई से समझा, तो उन्होंने यह महसूस किया कि वास्तविक विजय केवल विशाल सेना या अस्त्र-शस्त्रों से नहीं बल्कि धर्म, धैर्य और अटूट आत्मबल के समन्वय से ही संभव होती है। भगवान श्रीकृष्ण के इस रहस्योद्घाटन ने पांडवों के भीतर छिपे भय और संदेह को पूरी तरह समाप्त कर दिया और उन्हें यह दिव्य बोध कराया कि जो सत्य और न्याय के मार्ग पर अडिग रहता है, उसकी रक्षा स्वयं ईश्वरीय शक्ति करती है।

यह पावन और अनसुना प्रसंग हमें यह अमर सीख देता है कि जीवन के हर बड़े संघर्ष में बाहरी चुनौतियों से लड़ने से पहले अपने भीतर के संकल्प और आत्मविश्वास को अजेय बनाना सबसे बड़ी शक्ति है।

योगी की हैट्रिक या सियासी चक्रव्यूह? चार मोर्चों पर घिरती सत्ता!

बृज खंडेलवाल

उत्तर प्रदेश की सियासत में 2027 का विधानसभा चुनाव कई मायनों में निर्णायक होगा। यह सिर्फ सत्ता बदलने या बचाने की लड़ाई नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और उनकी राजनीतिक पकड़ की भी बड़ी परीक्षा होगी। लगातार तीसरी बार सरकार बनाना उनके लिए ऐतिहासिक उपलब्धि होगी। लेकिन इस मुकाम तक पहुंचने का रास्ता आसान नहीं दिखता।

योगी के सामने चार बड़े मोर्चे हैं। पहला, दस साल की सत्ता से पैदा होने वाली नाराजगी और सत्ता विरोधी माहौल। दूसरा, विपक्ष की बदलती गोलबंदी और नए जातीय समीकरण। तीसरा, एनडीए के सहयोगियों की महत्वाकांक्षाएं और नाराजगी। चौथा, भाजपा के भीतर टिकट बंटवारे को लेकर संभावित बगावत। इनमें से किसी एक मोर्चे पर भी चूक हुई, तो चुनावी गणित बिगड़ सकता है।

योगी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी कानून-व्यवस्था का दावा है। बुलडोजर कार्रवाई और अपराधियों के खिलाफ सख्त रुख ने उनकी एक खास राजनीतिक छवि बनाई है। News18 के यूपी मेगा सर्वे में भी इस मुद्दे पर सरकार को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है।

सितंबर-अक्टूबर 2026 में 30,925 लोगों से बातचीत के आधार पर हुए सर्वे में 77.1 प्रतिशत लोगों ने सरकार के कामकाज पर संतोष जताया। कानून-व्यवस्था के मामले में करीब 74 प्रतिशत लोगों की राय सकारात्मक रही। लगभग एक तिहाई उत्तरदाताओं ने गुंडाराज की वापसी का डर मतदान का सबसे बड़ा मुद्दा बताया।

ये आंकड़े योगी सरकार के लिए राहत जरूर हैं। लेकिन चुनावी तस्वीर का पूरा सच नहीं। कानून-व्यवस्था के साथ रोजगार, महंगाई, किसानों की मुश्किलें और युवाओं के भविष्य जैसे सवाल भी मतदाताओं को प्रभावित करेंगे।

राम मंदिर और धार्मिक मुद्दों की चमक भी अब अकेले चुनाव जिताने की गारंटी नहीं है। इसी सर्वे में इन्हें सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बताने वालों की संख्या महज एक-दो प्रतिशत रही।

2024 के लोकसभा चुनाव ने भाजपा को पहले ही चेतावनी दे दी थी। उत्तर प्रदेश में भाजपा का वोट शेयर करीब 41.4 प्रतिशत रहा, जबकि समाजवादी पार्टी को लगभग 33.6 प्रतिशत वोट मिले। कांग्रेस को करीब 9.5 प्रतिशत वोट मिले। दोनों विपक्षी दलों का संयुक्त वोट शेयर 43 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया।

यह नतीजा भाजपा के लिए एक अहम राजनीतिक



संकेत था। सत्ता में रहने के बावजूद उसे विपक्षी एकजुटता की ताकत का सामना करना पड़ा। साफ है कि योगी की लोकप्रियता अपनी जगह है, लेकिन हर विधानसभा क्षेत्र की कहानी अलग है। उम्मीदवार की साख, स्थानीय नाराजगी और जातीय समीकरण कई बार बड़े नेताओं की लोकप्रियता पर भारी पड़ जाते हैं। मुकाबले में विपक्ष के पास भी पर्याप्त जनाधार है। अगर भाजपा विरोधी वोट एकजुट हुए, तो चुनावी गणित बदल सकता है।

अखिलेश यादव का ढऊअ यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समीकरण इसी उम्मीद पर टिका है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की साझेदारी ने 2024 में इस रणनीति को राजनीतिक ताकत दी। अब दोनों दलों के सामने चुनौती इस तालमेल को विधानसभा चुनाव तक कायम रखने की है।

लेकिन विपक्षी मैदान में अब एक नया खिलाड़ी भी उतर आया है। 12 नवंबर को असदुद्दीन ओवैसी की AIMIM और चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने हाथ मिला लिया। इस गठबंधन का नाम सामाजिक परिवर्तन मोर्चा रखा गया है। चंद्रशेखर आजाद को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया गया है। दोनों दलों ने सभी 403 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारने की मंशा जताई है।

यह गठबंधन उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया समीकरण पेश करता है। मुस्लिम और दलित मतदाताओं को एक मंच पर लाने की कोशिश इसकी रणनीति का अहम हिस्सा है। राज्य में इन दोनों समुदायों की आबादी मिलाकर लगभग 40 प्रतिशत के आसपास मानी जाती है।

सबसे बड़ा सवाल है कि इस नए मोर्चे का चुनावी असर किस पर पड़ेगा?

अगर ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद सपा तथा बसपा के वोट बैंक में सेंध लगाते हैं, तो भाजपा को अप्रत्यक्ष लाभ मिल सकता है। विपक्षी वोटों का बंटवारा सत्ताधारी दल के लिए राहत बन सकता है। लेकिन अगर यह मोर्चा अपनी अलग पहचान और मजबूत जनाधार बनाने में सफल होता है, तो चुनावी मुकाबले में नए समीकरण उभर सकते हैं।

चंद्रशेखर आजाद के सामने भी कम चुनौती नहीं है। उनकी पहली चुनौती बसपा से है।

भाजपा की मुश्किल सिर्फ विपक्ष तक सीमित नहीं है। एनडीए के सहयोगी भी अपनी राजनीतिक हिस्सेदारी चाहते हैं। उत्तर प्रदेश में जातीय समीकरणों का महत्व देखते हुए छोटे-बड़े दलों की भूमिका को नजरअंदाज करना आसान नहीं होगा।

सीटों का बंटवारा हो, मंत्री पद हों या स्थानीय स्तर पर राजनीतिक भागीदारी, हर सहयोगी अपनी अहमियत दिखाना चाहता है। किसी दल को लगा कि उसे उसकी ताकत के मुताबिक हिस्सेदारी नहीं मिली, तो नाराजगी बढ़ सकती है।

चुनाव में खामोश सहयोगी भारी पड़ सकते हैं। कई सीटों पर जीत-हार का अंतर कुछ हजार वोटों का होता है। ऐसे में सहयोगियों की छोटी-सी नाराजगी भी बड़ा नुकसान पहुंचा सकती है।

भाजपा के सामने सबसे पेचीदा चुनौती अपने ही विधायकों से निपटने की हो सकती है। 403 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के करीब 255 विधायक हैं। लेकिन लंबे समय से सत्ता में रहने के कारण कई विधायकों के खिलाफ स्थानीय नाराजगी की शिकायतें सामने आती रही हैं।

पार्टी के भीतर बड़ी संख्या में मौजूदा विधायकों के प्रदर्शन की समीक्षा की चर्चा है। टिकट कटने की अटकलें 15-20 प्रतिशत से लेकर 30-40 प्रतिशत तक लगाई जा रही हैं। नए चेहरों, युवाओं, महिलाओं और संगठन के सक्रिय कार्यकर्ताओं को मौका देने की रणनीति पर विचार हो रहा है।

कुछ एमएलसी और मंत्रियों को भी विधानसभा चुनाव लड़ाने की चर्चा है। खबरों के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी की भागीदारी से 200 से ज्यादा सीटों पर उम्मीदवारों के नामों को लेकर मंथन हुआ है।

रणनीति अपनी जगह ठीक हो सकती है। लंबे समय से जमे विधायकों के खिलाफ नाराजगी दूर करना जरूरी है। 2024 के लोकसभा चुनाव में कई मौजूदा सांसदों को दोबारा टिकट देने का फैसला भाजपा के लिए महंगा साबित हुआ था। लेकिन टिकट काटना भी बच्चों का खेल नहीं है।

जिस विधायक ने पांच साल इलाके में अपनी पकड़ बनाई है, वह टिकट कटने पर चुपचाप घर नहीं बैठेगा। कोई निर्दलीय बनकर मैदान में उतर सकता है। कोई दूसरी पार्टी का दामन थाम सकता है। कुछ लोग भीतरघात का रास्ता भी चुन सकते हैं।

कहावत है, घर का भेदी लंका ढाए। चुनावी राजनीति में यह कहावत कई बार सच साबित हुई है। बाहर का विरोधी सामने दिखाई देता है, लेकिन भीतर का असंतोष अक्सर आखिरी वक्त पर रंग दिखाता है। टिकट वितरण अगर संतुलित नहीं हुआ, तो चुनाव से पहले ही पार्टी के भीतर कई छोटे-छोटे चुनाव शुरू हो सकते हैं।

अब तक सामने आए सर्वे उत्तर प्रदेश की राजनीति की अलग-अलग तस्वीर पेश करते हैं। ठी६२18 के मेगा सर्वे में 66.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने भाजपा-एनडीए की वापसी की संभावना जताई। सपा-कांग्रेस गठबंधन के पक्ष में करीब 26.5 प्रतिशत लोगों ने राय दी। मुख्यमंत्री पद की पसंद में योगी आदित्यनाथ को 66.2 प्रतिशत और अखिलेश यादव को 24.4 प्रतिशत समर्थन मिला।

ट्ट३१९झठी६२ छीीि१ के अनुमान में एनडीए को करीब 267 सीटें और सपा गठबंधन को 132 सीटें मिलने की संभावना जताई गई।

लेकिन कुछ दूसरे अनुमानों में मुकाबला काफी करीबी बताया गया है। इनमें एनडीए को 176 से 198 और सपा गठबंधन को 195 से 220 सीटें मिलने का अनुमान सामने आया है। कुछ आकलनों में दोनों के वोट शेयर का अंतर महज एक से तीन प्रतिशत बताया गया है। योगी आदित्यनाथ के पास अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाने के लिए कई मुद्दे हैं। कानून-व्यवस्था, सरकारी योजनाओं का लाभ, बुनियादी ढांचे का विकास और उनकी निजी लोकप्रियता उनकी राजनीति के अहम आधार हैं। लेकिन दस साल की सत्ता के बाद जनता की अपेक्षाएं भी बढ़ जाती हैं। चुनाव में इतिहास के दावे नहीं, जनता के वोट गिने जाते हैं।

आखिर चुनाव में सबसे कठिन लड़ाई कभी-कभी विरोधियों से नहीं, अपने ही कुनबे को एकजुट रखने की होती है। योगी के सामने 2027 का सबसे बड़ा सवाल यही है: क्या वह चारों मोर्चों पर संतुलन बनाकर हैट्रिक की राह तय कर पाएंगे?

लोकतंत्र में सम्मान और कर्मचारी न्याय का सवाल

प्रोफेसर स्वामी ध्यान प्रेम

भारतीय लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों और सार्वजनिक जीवन से जुड़े व्यक्तित्वों को मिलने वाला सम्मान हमारी लोकतांत्रिक परंपरा का हिस्सा है। लेकिन इसके साथ एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी उठता है कि क्या सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक संरक्षण के मानदंड सभी के लिए समान हैं? एक ओर जनप्रतिनिधियों को पेंशन और विशेष सुविधाएं प्राप्त हैं, वहीं दूसरी ओर जीवन के 30 से 35 वर्ष सरकारी सेवा में समर्पित करने वाले कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है।

वर्ष 2004 से केंद्र सरकार में नई पेंशन व्यवस्था लागू होने के बाद नियुक्त कर्मचारियों को पुरानी पेंशन के सुनिश्चित लाभ से वंचित कर दिया गया। बाद में अनेक राज्यों ने भी इसे अपनाया। उदारीकरण और निजीकरण की आर्थिक नीतियों के दौर में पेंशन को राजकोषीय बोझ मानने की प्रवृत्ति बढ़ी। लेकिन सवाल यह है कि जिस कर्मचारी ने अपना पूरा जीवन राष्ट्र और सरकारी व्यवस्था की सेवा में लगाया, उसके बुढ़ापे की आर्थिक सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? पेंशन कोई सरकारी अनुग्रह नहीं, बल्कि वर्षों की सेवा के बाद सम्मानजनक जीवन का आधार है। जनप्रतिनिधियों को पेंशन और सुविधाएं मिलना उचित है तो कर्मचारियों की सुनिश्चित पेंशन पर वित्तीय संकट



का तर्क क्यों?

हाल में फिरोजाबाद के कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़े वरिष्ठ उद्यान विज्ञान वैज्ञानिक डॉ. सुभाष चंद्र शर्मा का असमय निधन भी कर्मचारी हितों और प्रशासनिक संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। सेवा शर्तों और सेवानिवृत्ति आयु को लेकर विवाद के बीच 62 वर्ष के स्थान पर 60 वर्ष में सेवानिवृत्त किए जाने का मामला चर्चा में आया। यदि प्रशासनिक निर्णयों या नियमों की गलत व्याख्या से कर्मचारियों के अधिकार प्रभावित होते हैं, तो यह संस्थागत जवाबदेही का विषय है। नौकरशाही का दायित्व नियमों का पालन करना है, न कि उनकी आड़ में अन्याय करना। डॉ. शर्मा का निधन कृषि, शोध और शिक्षा जगत की अपूरणीय क्षति है। ऐसी घटनाएं प्रशासन को मानवीय संवेदनशीलता के प्रति सचेत करती हैं।

इसी प्रकार स्नातक एवं शिक्षक विधान परिषद चुनावों के परिणामों को भी सरकार के लिए एक लोकतांत्रिक संदेश मानकर देखना चाहिए। इन चुनावों में भाजपा को छह और समाजवादी पार्टी को पांच सीटें मिलीं। यह परिणाम बताते हैं कि शिक्षित और शिक्षक मतदाताओं के बीच राजनीतिक प्रतिस्पर्धा गंभीर है। इन मतदाताओं के लिए शिक्षा, रोजगार, पुरानी पेंशन, सेवा सुरक्षा, वेतन विसंगतियां और प्रशासनिक व्यवहार जैसे मुद्दे महत्वपूर्ण हैं। उनके मतदान को केवल राजनीतिक जीत-हार के रूप में देखना उचित नहीं होगा।

सरकार को कर्मचारी असंतोष को राजनीतिक विरोध मानकर खारिज करने के बजाय उसके वास्तविक कारणों को समझना चाहिए। नई पेंशन व्यवस्था और एकीकृत पेंशन योजना की समीक्षा कर ऐसी व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए, जिसमें सेवानिवृत्त कर्मचारी को सम्मानजनक और सुनिश्चित आर्थिक सुरक्षा मिल सके। विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, कृषि संस्थानों और अर्द्धसैनिक बलों में कार्यरत कर्मचारियों के सेवा संबंधी मामलों में पारदर्शिता, न्याय और संवेदनशीलता सुनिश्चित होनी चाहिए।

लोकतंत्र की वास्तविक सफलता केवल चुनावी उपलब्धियों से नहीं, बल्कि नागरिकों और कर्मचारियों के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और न्याय सुनिश्चित करने से मापी जाती है। पुरानी पेंशन, सेवा सुरक्षा और प्रशासनिक जवाबदेही किसी वर्ग विशेष की मांग नहीं, बल्कि एक न्यायपूर्ण एवं कल्याणकारी लोकतंत्र की बुनियादी कसौटियां हैं। सरकार को समझना होगा कि कर्मचारी का सम्मान और उसका सुरक्षित भविष्य भी राष्ट्र निर्माण का अभिन्न हिस्सा है।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 21 नवंबर 2026 शनिवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल की पहली सीढ़ी है।



मार्गदर्शन: आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष वृष कर्क सिंह धनु और मकर राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। शनिवार का दिन न्याय के देवता शनिदेव और संकटमोचन हनुमान जी की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन शनि मंदिर में जाकर सरसों के तेल का दीपक जलाने तथा काले तिल अर्पित करने और शनि चालीसा का पाठ करने से जीवन के सभी कष्ट और बाधाएं दूर होती हैं तथा स्थायित्व और धैर्य की प्राप्ति होती है।

मेष

आज कार्यक्षेत्र में आपके पराक्रम और नेतृत्व क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका प्रभाव काफी बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में किए गए पूर्व प्रयासों से अचानक बड़ा धन लाभ होने की पूरी संभावना बन रही है। शनिदेव को काले तिल अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

वृष

आज व्यापार में किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का बहुत ही अनुकूल समय है और वरिष्ठ अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। मंदिर में उड़द की दाल का दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

मिथुन

आज आपकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक शक्ति से आपके सभी जटिल और रुके हुए कार्य तेजी से हल होंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अध्ययन और प्रतियोगिता परीक्षा में बड़ी सफलता दिलाने वाला रहेगा। शनि चालीसा का नियमित पाठ करें जिससे आपकी संपत्ति और कार्यकुशलता में वृद्धि हो।

कर्क



आज भूमि भवन या अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय से जुड़ा कोई रुका हुआ मामला सुलझने से मन में उत्साह रहेगा। माता-पिता का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन प्राप्त होगा जो आपके लिए बहुत लाभदायक रहेगा। मंदिर में नीले या काले रंग का वस्त्र भेंट करें जिससे आपके घर में सुख समृद्धि का वास हो।

सिंह

आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपके वर्चस्व तथा मान-सम्मान चरम पर होगा और विरोधी आपके सामने टिक नहीं पाएंगे। आय के नए स्रोत बनने से आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत और सुदृढ़ होगी। शनिदेव का सरसों के तेल से अभिषेक करें जिससे आपके यश और कीर्ति में वृद्धि हो।

कन्या

आज आपकी आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा और लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलेगा। व्यापारियों को नए व्यावसायिक अनुबंध मिलने की पूरी संभावना बन रही है। किसी जरूरतमंद को काले चने दान करें जिससे आपके मार्ग की सभी रुकावटें दूर हों।

तुला

आज कला संस्कृति और व्यापारिक क्षेत्र से जुड़े जातकों को बड़ी सफलता मिलेगी और भरपूर जनसमर्थन प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के साथ किसी मांगलिक कार्य में भाग लेंगे। मंदिर में लोहे की वस्तु अर्पित करें जिससे आपके जीवन में शांति बनी रहे।

वृश्चिक

आज आपके सोचे हुए सभी शासकीय और कानूनी कार्य बिना किसी रुकावट के समय पर पूरे होंगे। अपने स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें और दिनचर्या को पूरी तरह संयमित रखने का प्रयास करें। हनुमान जी के समक्ष चमेली के तेल का दीपक जलाएं जिससे आपके सभी विरोधी शांत रहें।

धनु

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा। धार्मिक गतिविधियों और सेवा कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे आत्मिक शांति मिलेगी। मंदिर में सरसों के तेल का दीपक जलाएं जिससे आपके मार्ग प्रशस्त हों।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के बहुत ही सुंदर योग बन रहे हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना विवाद आपसी बातचीत से सुलझ सकता है। शनिवार का व्रत रखें जिससे आपके करियर की बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और किसी महत्वपूर्ण यात्रा का योग बनेगा। व्यावसायिक साझेदारों के साथ संबंध मजबूत होंगे जिससे व्यापार में बड़ा मुनाफा मिलेगा। सुंदरकांड का पाठ करें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो।

मीन

आज आर्थिक लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और किसी भी अनजान योजना में सोच-समझकर ही पैसा लगाएं। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और जीवनसाथी का पूरा सहयोग आपके साथ बना रहेगा। शनिदेव और हनुमान जी के चरणों में प्रणाम करके दिन की शुरूआत करें जिससे आपके सभी मानसिक तनाव दूर हों।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

शनिवार के दिन घर की पश्चिम दिशा को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां शमी का पौधा या लोहे के पात्र में सरसों का तेल स्थापित करने तथा मुख्य द्वार पर स्वच्छता बनाए रखने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा शनिदेव की कृपा से घर में अनुशासन, न्यायप्रियता और स्थायी सुख-शांति का वास होता है।

पशु रोगों पर रिसर्च का महामंथन, निदान की नई तकनीकों पर जोर!

- 9 वैज्ञानिक सत्रों में हुआ शोध और तकनीकों पर मंथन
- युवा वैज्ञानिकों और शोधार्थियों को उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मान
- पशु रोगों की पहचान और नियंत्रण के लिए उन्नत तकनीकों पर जोर

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान, मथुरा में आयोजित चार दिवसीय पशु चिकित्सा रोग विज्ञान महासम्मेलनझ2026 का समापन समारोह संपन्न हुआ। इस राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के महासम्मेलन में देश-विदेश के विभिन्न पशु चिकित्सा विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों एवं प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से वैज्ञानिकों, पशु रोग विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष प्रो. के. मिश्रा थे। उन्होंने अपने संबोधन में पशु चिकित्सा रोग विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पशुओं में होने वाले रोगों की समय पर पहचान, सटीक निदान एवं प्रभावी नियंत्रण के लिए उन्नत रोग विज्ञान तकनीकों का विकास और उनका व्यावहारिक उपयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने युवा वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान के लिए प्रेरित करते हुए पशु चिकित्सा विज्ञान के विकास में उनके योगदान को महत्वपूर्ण बताया। चार दिवसीय महासम्मेलन के दौरान कुल नौ वैज्ञानिक सत्रों का आयोजन किया गया, जिनमें मौखिक एवं आलेखीय प्रस्तुतियों के माध्यम से पशु चिकित्सा रोग विज्ञान के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर वैज्ञानिक विचारों एवं अनुसंधान निष्कर्षों का आदान-प्रदान किया गया। इन सत्रों में देश-विदेश से आए वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों एवं युवा शोधकताओं ने अपने नवीनतम अनुसंधान कार्य प्रस्तुत किए। सत्रों के दौरान पशु रोगों के निदान, रोग उत्पत्ति, उन्नत निदान तकनीकों, अनुसंधान की नवीन दिशाओं तथा पशु स्वास्थ्य संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।



समापन समारोह का प्रमुख आकर्षण विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं शैक्षणिक योगदान के लिए पुरस्कारों का वितरण रहा। इस अवसर पर भारतीय पशु चिकित्सा रोग विशेषज्ञ संघ की ओर से चार युवा वैज्ञानिक पुरस्कार, स्नातकोत्तर स्तर पर दो सर्वश्रेष्ठ शोध-प्रबंध पुरस्कार, पीएचडी स्तर पर दो सर्वश्रेष्ठ शोध-प्रबंध पुरस्कार, विशिष्ट विषयों में उत्कृष्ट योगदान के लिए तीन उपलब्धि पुरस्कार तथा प्रतिभाशाली शोधकताओं एवं वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दो विशेष प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। इन पुरस्कारों के माध्यम से पशु चिकित्सा रोग विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट अनुसंधान, शैक्षणिक उपलब्धियों एवं वैज्ञानिक योगदान को सम्मानित किया गया।

दुवासू, मथुरा के कुलपति डॉ. अभिजित मित्र ने कहा कि इस प्रकार के वैज्ञानिक आयोजन पशु चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार गतिविधियों को नई दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने आयोजन में सहभागी सभी प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे सम्मेलन अनुभवी वैज्ञानिकों एवं युवा शोधकताओं के बीच ज्ञान, अनुभव एवं नवीन वैज्ञानिक तकनीकों के आदान-प्रदान का प्रभावी मंच प्रदान करते हैं।

महासम्मेलन के समापन अवसर पर आयोजकों ने सभी आमंत्रित अतिथियों, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों, वैज्ञानिकों, प्रतिभागियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजन सचिव डॉ. देश दीपक सिंह ने महासम्मेलन की विभिन्न गतिविधियों एवं वैज्ञानिक सत्रों के सफल संचालन में सहयोग देने वाले सभी व्यक्तियों एवं संस्थानों का धन्यवाद ज्ञापित किया। पशु चिकित्सा रोग विज्ञान महासम्मेलन 2026 का सफल आयोजन पशु चिकित्सा रोग विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान, वैज्ञानिक नवाचार, उन्नत रोग निदान तकनीकों एवं शैक्षणिक सहयोग को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रहा। इस चार दिवसीय आयोजन ने वरिष्ठ वैज्ञानिकों एवं युवा शोधकताओं को एक साझा मंच प्रदान किया तथा पशु स्वास्थ्य अनुसंधान एवं पशुधन विकास के क्षेत्र में भविष्य की नई संभावनाओं के द्वार खोले।



नहर टूटने से किसानों की फसलें जलमग्न

फतेहाबाद। तहसील फतेहाबाद के विकासखंड शमसाबाद अंतर्गत ग्राम बीकापुर में 19 नवंबर की रात्रि नहर टूटने से किसानों के खेतों में पानी भर गया, जिसके चलते आलू सहित अन्य फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। किसानों की इस समस्या को लेकर भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह जिला प्रवक्ता प्रदीप सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने तहसीलदार फतेहाबाद को ज्ञापन सौंपकर प्रभावित किसानों की कृषि भूमि एवं फसलों का तत्काल सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की। एसडीएम फतेहाबाद की अनुपस्थिति में तहसीलदार शिखर मिश्रा को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान तहसीलदार ने अवगत कराया कि एसडीएम द्वारा नहर विभाग को एक दिन पूर्व ही पत्र भेज दिया गया है। जल्द ही प्रभावित क्षेत्र का सर्वे कराकर किसानों को मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया शुरू कराई जाएगी। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि किसानों ने अपनी मेहनत और पूंजी लगाकर आलू सहित अन्य फसलें तैयार की थीं, लेकिन नहर टूटने से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। प्रशासन को शीघ्र सर्वे कराकर वास्तविक नुकसान का आकलन करना चाहिए, ताकि किसी भी प्रभावित किसान को मुआवजे से वंचित न रहना पड़े। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से प्रदीप सिंह जिला प्रवक्ता आगरा, वीरभान प्रधान जिला अध्यक्ष आगरा (सैन्य प्रकोष्ठ), जोगी गुर्जर युवा तहसील अध्यक्ष, रोहित प्रताप, सुनील यादव, योगेश कुमार, श्यामवीर वर्मा तहसील उपाध्यक्ष एवं माधव सिंह सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

छात्र गोविंद का लर्निंग प्रोग्राम प्रेरणा के लिए चयन

मथुरा। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लोहवन मथुरा के कक्षा दसवीं के छात्र गोविंद का चयन मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन के लर्निंग प्रोग्राम प्रेरणा के तहत वडनगर गुजरात जाने के लिए हुआ है। यह प्रोग्राम 22 से 28 नवंबर तक वनार्कुलर स्कूल वडनगर जिला मेहसाना गुजरात में आयोजित होगा विद्यालय परिवार के लिए यह बड़ा गर्व का विषय है। आज छात्र गोविंद को विद्यालय की समस्त शिक्षक परिवार द्वारा सुखद यात्रा की शुभकामना देते हुए गुजरात के लिए रवाना किया गया।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामले में अगली तारीख 10 दिसम्बर

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले में शुक्रवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में करीब ढाई घंटे तक सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति अवनीश सक्सेना की अदालत में कुल 18 वादों पर सुनवाई की गई। इस दौरान अदालत ने कुछ प्रार्थना पत्रों का निस्तारण कर दिया, जबकि कुछ प्रार्थना पत्रों पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। न्यायालय ने अगली सुनवाई के लिए 10 दिसंबर की तारीख निर्धारित की है। श्री कृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट की ओर से मुकदमे की पैरवी कर रहे अधिवक्ता के अनुसार सूट नंबर तीन में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) को अपना जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए गए हैं।

ईवीएम प्रदर्शन केंद्र का फीता काटकर किया उद्घाटन

- मतदाताओं को ईवीएम एवं वीवीपैट के प्रति किया जागरूक
- डीएम सहित अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों तथा आम-जनमानस ने किया मॉक पोल (मतदान का डेमो)

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश के निदेशों के क्रम में आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 के दृष्टिगत जनपद में ईवीएम एवं वीवीपैट के प्रति जनसामान्य को जागरूक करने तथा मतदान प्रक्रिया की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद एवं तहसील स्तर पर ईवीएम प्रदर्शन केंद्र स्थापित किए गए हैं।

इसी क्रम में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर (एनआईसी के ठीक सामने) में स्थापित ईवीएम प्रदर्शन केंद्र का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने स्वयं ईवीएम के माध्यम से मतदान कर उसकी कार्यप्रणाली एवं मतदान प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा उपस्थित लोगों को ईवीएम से मतदान करने की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी प्रदान की।

जनपद स्तर पर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर के अतिरिक्त जनपद की पांचों विधानसभा क्षेत्रों 81-छाता, 82-मांट, 83-गोवर्धन, 84-मथुरा एवं 85-बल्देव के तहसील मुख्यालयों पर भी ईवीएम प्रदर्शन केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों के माध्यम से आम नागरिकों को ईवीएम एवं वीवीपैट की कार्यप्रणाली समझाई जाएगी तथा उन्हें स्वयं मॉक मतदान कराकर मतदान प्रक्रिया से परिचित कराया जाएगा।



प्रत्येक प्रदर्शन केंद्र पर एक नायब तहसीलदार, दो कर्मचारी एवं एक मास्टर ट्रेनर की तैनाती की गई है। नामित अधिकारी एवं कर्मचारी प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से सायं 05 बजे तक केंद्रों पर उपस्थित रहकर जनसामान्य को ईवीएम एवं वीवीपैट के संबंध में जानकारी देंगे। साथ ही नागरिकों की जिज्ञासाओं एवं शंकाओं का समाधान करते हुए उन्हें मतदान प्रक्रिया के प्रति जागरूक एवं प्रेरित करेंगे।ईवीएम प्रदर्शन की निर्धारित अवधि समाप्त होने के उपरांत प्रतिदिन सायं 05 बजे मशीनों को जनपद एवं तहसील स्तर पर निर्धारित स्ट्रांग रूम में निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों के अनुरूप पुलिस अभिरक्षा में सुरक्षित रखा जाएगा, जिससे मशीनों की सुरक्षा एवं पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

उक्त कार्यक्रम के संचालन हेतु ईवीएम वेयरहाउस से कुल 136 ईवीएम मशीनें दिनांक 19 नवंबर 2026 को राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में अस्थायी रूप से बनाए गए स्ट्रांग रूम में पुलिस अभिरक्षा में सुरक्षित रखवाई गई हैं। इनमें से पांच-पांच मशीनें प्रत्येक तहसील स्तर पर तथा 10 मशीनें नगर मजिस्ट्रेट/प्रभारी इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर को उपलब्ध कराई गई हैं। शेष 101 मशीनों का उपयोग आगामी निर्वाचन के दृष्टिगत मतदान कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए किया जाएगा। जिलाधिकारी ने निर्वाचन संबंधी तैयारियों में पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं जागरूकता को महत्वपूर्ण बताते हुए ईवीएम प्रदर्शन केंद्रों के माध्यम से अधिक से अधिक नागरिकों को मतदान प्रक्रिया की जानकारी उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि केंद्रों पर निर्धारित समयावधि में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर आमजन को सरल एवं प्रभावी ढंग से ईवीएम एवं वीवीपैट की कार्यप्रणाली समझाएं।

ईवीएम प्रदर्शन केंद्रों की स्थापना का उद्देश्य मतदाताओं के मन में मतदान प्रक्रिया के प्रति विश्वास एवं जागरूकता बढ़ाना तथा आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन सुनिश्चित करने की दिशा में जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना है।उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ0 पंकज कुमार वर्मा, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे नंद प्रकाश मौर्या, अपर जिलाधिकारी न्यायिक वेद प्रिय आर्य, नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्रा आदि मौजूद रहे।

ब्रज में प्लास्टिक पर चोट!

अब 10 रुपये में मिलेगा थैला, मंडियों में लगेंगी मशीनें

- सब्जी मंडियों में लगेंगी थैला देने वाली मशीनें
- 10 रुपये का सिक्का डालते ही मिलेगा मजबूत थैला
- स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों से घर-घर पहुंचेगा स्वच्छता संदेश

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

ब्रज को स्वच्छ और सुंदर बनाने के साथ प्लास्टिक मुक्त करने की दिशा में नई पहल की जा रही है। अब सब्जी मंडियों सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर वेंडिंग मशीनें स्थापित की जाएंगी। इन मशीनों में 10 रुपये का सिक्का डालने पर लोगों को मजबूत थैला मिलेगा। इससे बाजार में खरीदारी के दौरान प्लास्टिक की थैलियों के इस्तेमाल को कम करने और लोगों को पर्यावरण के अनुकूल विकल्प उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, जिला प्रशासन, नगर निगम और हार्टफुलनेस के संयुक्त तत्वावधान में ह्यहम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना हैह्न के संकल्प के साथ शुरू हुआ ब्रज स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान अब द्वितीय चरण में पहुंच गया है। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सभागार में ब्रज स्वच्छता अभियान के कोर ग्रुप की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र ने द्वितीय चरण की कार्ययोजना पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि स्कूल-कॉलेजों के माध्यम से स्वच्छता संबंधी संदेश घर-घर तक पहुंचाया जाएगा। इसके लिए विद्यार्थियों को स्वच्छता संदेश से संबंधित पंपलेट वितरित किए जाएंगे। पंपलेट पढ़ने के बाद बच्चे उन्हें इधर-उधर न फेंकें, इसके लिए उनकी वापसी की व्यवस्था भी की जाएगी। ये पंपलेट सामाजिक और व्यापारिक संगठनों के सहयोग से उपलब्ध कराए जा रहे हैं।



बैठक में वेंडिंग मशीन का प्रदर्शन भी किया गया। व्यापारी विपिन सिंघल ने मशीन की कार्यप्रणाली की जानकारी देते हुए बताया कि इसमें 10 रुपये का सिक्का डालने पर एक मजबूत थैला प्राप्त होगा। इस प्रकार की मशीनें सब्जी मंडी क्षेत्रों में स्थापित होने से खरीदारी के दौरान प्लास्टिक की थैलियों के इस्तेमाल को कम करने में मदद मिलेगी। मशीनों के लिए थैलों की उपलब्धता सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवियों के सहयोग से सुनिश्चित की जाएगी, ताकि अधिक से अधिक लोग इस सुविधा का लाभ उठा सकें।

बैठक में नगर निगम के उपनेता मुकेश सारस्वत, उद्यमी दीपक गोयल, लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष अंकित बंसल, अन्नपूर्णा फाउंडेशन के राहुल अग्रवाल और फ्रेंड्स ऑफ वृंदावन के जगन्नाथ पोद्दार ने थैले एवं पंपलेट उपलब्ध कराने में सहयोग की जानकारी दी।

बैठक में प्रभारी ईको रेस्टोरेशन यूनिट मुकेश शर्मा, अपर सीईओ राजीव पांडेय, अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

गिरिराज पर उमड़ा आस्था का महासागर

- दस हजार श्रद्धालुओं ने लगाई परिक्रमा
- गिरिराज धरण हम तेरी शरण के जयघोष से गूंजा सात कोस का मार्ग
- पूछरी के लोठा से मानसी गंगा तक किए दिव्य स्थलों के दर्शन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, गोवर्धन।



ब्रज की भक्ति, श्रद्धा और श्रीराधा नाम की महिमा का अद्भुत दृश्य शुक्रवार को गिरिराज धाम में देखने को मिला। ब्रज के विरक्त संत पद्मश्री रमेश बाबा की श्री राधारानी ब्रजयात्रा ने दो दिवसीय पूछरी पड़ाव के दूसरे दिन हजारों श्रद्धालुओं के साथ गिरिराज महाराज की परिक्रमा की। करीब दस हजार श्रद्धालुओं का जनसैलाब जब एक साथ परिक्रमा मार्ग पर उमड़ा तो ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो आस्था का समुद्र अपनी सीमाएं लांघकर गिरिराज धाम में उतर आया हो। पूरा परिक्रमा मार्ग ह्यगिरिराज धरण हम तेरी शरणह्न के जयघोष से गुंजायमान हो उठा।

यात्रा के दौरान नृसिंह बाबा ने एक ब्रजवासी रचनाकार का भावपूर्ण रसिया सुनाकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। रसिया के बोल ह्यश्री राधारानी ब्रज यात्रा की शोभा लगे प्यारी, याकी कीरत जग में न्यारीह्न में यात्रा की आध्यात्मिक महिमा और ब्रज के प्रति समर्पण का सजीव चित्रण था।

पूछरी पड़ाव से प्रस्थान कर यात्रियों ने पूछरी के लोठा, नवल कुंड, अप्सरा कुंड, ऐरावत कुंड, इंद्र पूजा स्थल, सुरभि कुंड, जतीपुरा मुखारविंद, श्रीनाथजी मंदिर, जान-अजान, चक्रेश्वर महादेव, चूतर टेका, उद्धव कुंड, राधाकुंड-श्यामकुंड, कुसुम सरोवर, नारद कुंड, ग्वाल पोखरा, श्याम कुटी, बाबा श्री प्रिया शरण जी की समाधि, मानसी गंगा, श्री हरदेव जी मंदिर, दानघाटी, गोविंद कुंड और लुकलुक दाऊजी सहित अनेक दिव्य लीलास्थलों के दर्शन किए। जगह-जगह ब्रजवासियों ने यात्रा का भव्य स्वागत किया। श्रद्धालुओं को खिचड़ी, हलवा, पूड़ी-सब्जी सहित विभिन्न व्यंजन परोसकर सेवा और सत्कार किया गया।

इस अवसर पर मान मंदिर के कार्यकारी अध्यक्ष राधाकांत शास्त्री ने राजस्थान सरकार से पूछरी में हेलीपैड स्थल के आसपास के समूचे क्षेत्र को ब्रजयात्रा के स्थायी पड़ाव स्थल के रूप में विकसित कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि हजारों यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था के लिए यह अत्यंत आवश्यक और जनोपयोगी कार्य है। समय की आवश्यकता को देखते हुए सरकार को इस दिशा में शीघ्र पहल करनी चाहिए। यात्रा में नृसिंह दास, बाबा ब्रजशरण दास महाराज, ब्रजदास, महेश शास्त्री, सुशील गोस्वामी, राजकुमार, संजय प्रधान, शंकर बाबा और राधाकिशन पंडित सहित अनेक श्रद्धालु शामिल रहे।

नहर टूटने से 50 हेक्टेयर से अधिक फसलें जलमग्न

फतेहाबाद। तहसील फतेहाबाद के विकासखंड शमसाबाद के गांव बीकापुर और विकासखंड अछनेरा के गांव गोबरा में नहर टूटने से किसानों की फसलें जलमग्न होकर बर्बाद हो गईं। दोनों गांवों में 50 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि प्रभावित हुई है। किसानों को हुए भारी नुकसान को देखते हुए फतेहपुर सीकरी के सांसद राजकुमार चाहर ने जिलाधिकारी आगरा को पत्र लिखकर प्रभावित किसानों को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है।

सांसद राजकुमार चाहर ने पत्र के माध्यम से अवगत कराया गया है कि नहर टूटने से दोनों गांवों के खेतों में पानी भर गया, जिससे आलू सहित अन्य फसलें पूरी तरह नष्ट हो गईं। इससे किसानों की महीनों की मेहनत बर्बाद होने के साथ उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। सांसद ने जिलाधिकारी से संबंधित अधिकारियों की टीम गठित कर दोनों गांवों में तत्काल स्थलीय निरीक्षण कराने और निष्पक्ष सर्वे के माध्यम से फसल नुकसान का आकलन कराने की मांग की है। उन्होंने प्रभावित किसानों को शीघ्र आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा है। सांसद ने यह भी कहा है कि पूरी कार्रवाई एक सप्ताह के अंदर कराकर उन्हें इसकी जानकारी उपलब्ध कराई जाए, ताकि प्रभावित किसानों को जल्द राहत मिल सके।

मतदाता बनने की मुहिम तेज!

छात्र-छात्राओं को मतदान के लिए किया जागरूक

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

जनपद स्तरीय मतदाता जागरूकता क्विज एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन ब्लैक स्टोन गर्ल्स इंटर कॉलेज, मथुरा में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं जिला स्वीप कोऑर्डिनेटर सलोनी गौतम एवं किशोरी रमण महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मथुरा की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) पल्लवी सिंह उपस्थित रहीं।

अपने उद्बोधन में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता ने कहा कि जिन छात्र-छात्राओं की आयु 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष पूरी हो रही है, वे अपना वोटर कार्ड अवश्य बनवाएं तथा आगामी विधानसभा चुनाव में अपने माता-पिता एवं परिवार के सदस्यों के साथ मतदान करने अवश्य जाएं। अपने आस-पड़ोस के लोगों को भी अपना अमूल्य वोट देने के लिए प्रेरित करें।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सलोनी गौतम ने कहा कि विवाहित महिला मतदाता फॉर्म-8 भरकर अपना पता परिवर्तित करा लें। उन्होंने छात्र-छात्राओं से कहा कि वे ईसीआईएनईटी ऐप पर अपने एवं परिवार के सदस्यों का नाम मतदाता सूची में अवश्य खोजें। नाम अथवा पते में त्रुटि होने पर फॉर्म-8 तथा नाम हटवाने हेतु फॉर्म-7 भरें। उन्होंने कहा कि बच्चे प्रतियोगिताओं से सीखते हैं, अतः सभी स्कूलों एवं कॉलेजों में मतदाता जागरूकता प्रतियोगिताएं कराई जाएं।

प्रो. (डॉ.) पल्लवी सिंह ने कहा कि मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों को सक्रिय बनाने के लिए सभी स्कूल-कॉलेजों में हेल्प डेस्क बनाया जाना आवश्यक है। कॉलेज के एंबेसडर नैतिक मतदान का संदेश दें तथा महिलाओं एवं थर्ड जेंडर को भी फॉर्म-6 भरकर नवीन मतदाता बनने के लिए प्रेरित करें।

निबंध प्रतियोगिता में वंदना कुमारी ने प्रथम, रूबी ने द्वितीय एवं शिवानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। क्विज प्रतियोगिता में सचिन, रमाकांत एवं रूबी की टीम विजयी रही।

कार्यक्रम का आयोजन स्वीप कोऑर्डिनेटर डॉ. दीनदयाल एवं ईएलसी प्रभारी डॉ. अखिलेश यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर आकांक्षा रिचर्ड, ब्लैक स्टोन की प्राचार्य रश्मि एवं मीनाक्षी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जुगल किशोर, गुंजन चौबे, निखिल अग्रवाल, डॉ. रोली तिवारी, गुरुप्यारी सत्संगी आदि का विशेष सहयोग रहा।

सुल्तानपुर डिपो की बस हादसे की मजिस्ट्रियल जांच

मथुरा। अपर जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन), मथुरा व परिवहन आयुक्त, लखनऊ के निर्देश में 19.06.2026 को अयोध्या क्षेत्र सुल्तानपुर डिपो की बस संख्या यू0पी0 78 केटी 7674 से स्थान चौरम्बार गांव (थाना क्षेत्र बल्देव) पर घटित दुर्घटना के संबंध में उ0प्र0 मोटरयान कराधान नियमावली, 1998 के नियम-30 व 31 के अनुसार घटित दुर्घटना की मजिस्ट्रीयल जॉच हेतु उप जिला मजिस्ट्रेट महावन को जॉच अधिकारी नामित किया गया है, जिसके क्रम में उप जिला मजिस्ट्रेट महावन द्वारा उक्त प्रकरण की जॉच की जा रही है। अतः उक्त के सम्बन्ध में सूचित किया गया है कि किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था आदि को लिखित अथवा मौखिक साक्ष्य / बयान देना हो तो वह उप जिला मजिस्ट्रेट महावन के कार्यालय में 03 दिसंबर पूर्वान्ह 11:00 बजे उपस्थित होकर दर्ज करा सकते हैं।

लोकतांत्रिक मूल्यों की समझ विकसित करने को विद्यार्थियों को किया सम्मानित

जनपद स्तरीय निबंध एवं क्विज प्रतियोगिता के टॉप-10 प्रतिभागियों को मिले प्रशस्ति पत्र

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फिरोजाबाद। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार मतदाता साक्षरता क्लब (ईएलसी) के तत्वावधान में राजकीय हाईस्कूल, सिविल लाइन में आयोजित जनपद स्तरीय निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में चयनित विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार शर्मा तथा अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी कल्पना जायसवाल ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक मूल्यों, निर्वाचन प्रक्रिया, मतदाता पंजीकरण और मतदान के अधिकार के प्रति जागरूक करना रहा।

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती जागरूक और जिम्मेदार मतदाताओं पर निर्भर करती है। मतदाता साक्षरता क्लब विद्यार्थियों को निर्वाचन प्रक्रिया की जानकारी देने के साथ ही उन्हें



भविष्य का जागरूक मतदाता और जिम्मेदार नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं जागरूक रहने के साथ परिवार एवं समाज के लोगों को भी मतदान के प्रति प्रेरित करने का आह्वान किया।

एडीएम कल्पना जायसवाल ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों की तार्किक क्षमता, लोकतांत्रिक समझ और निर्वाचन संबंधी जानकारी बढ़ती है। डिप्टी कलेक्टर अवधेश कुमार निगम ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक मत का विशेष महत्व है। वहीं डिप्टी कलेक्टर अंकित कुमार ने विद्यार्थियों के ज्ञान, रचनात्मकता एवं आत्मविश्वास के विकास में प्रतियोगिताओं को महत्वपूर्ण बताया। प्रतियोगिता में पांचों विधानसभा क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के अंत में चयनित विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। जिलाधिकारी, एडीएम, डिप्टी कलेक्टर एवं ईएलसी सहायक नोडल अधिकारी डॉ. हिमांशु शर्मा ने चयनित विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

बच्चों को डायरिया से बचाव के प्रति किया जागरूक

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फिरोजाबाद।

नगरीय क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय हिमायूंपुर में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा पांच तक के 35 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में कक्षा पांच की खुशी ने प्रथम, पूजा द्वितीय और पूनम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं कक्षा तीन की अन्नू को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) एवं केनव्यु के सहयोग से डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम के तहत आयोजित प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों को डायरिया की शीघ्र पहचान, बचाव और उपचार के प्रति जागरूक करना रहा। प्रभारी प्रधानाचार्य रजनी ने बच्चों को स्वस्थ रहने के फायदे और बीमारियों से बचाव के उपाय बताए। पीएसआई इंडिया के राजेश कुमार प्रजापति ने बताया कि डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम का उद्देश्य शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों की डायरिया से होने वाली मृत्यु दर को शून्य करना और दस्त प्रबंधन को मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि बच्चों को दस्त होने पर तुरंत ओआरएस का घोल और जिंक देना शुरू करना चाहिए। ओआरएस शरीर में पानी की कमी को रोकने में मदद करता है। कार्यक्रम में सहायक अध्यापिका नीलम शर्मा, पिंकी, सुजाता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता विमलेश उपाध्याय तथा पीएसआई इंडिया से कैफुल हसन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

डीएम ने जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी के पम्पलेट का किया विमोचन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फिरोजाबाद।



विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश के अंतर्गत जिला विज्ञान क्लब के तत्वावधान में 23 नवंबर को जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन अमेजिंग वर्ल्ड, इटावा रोड सिरसागंज में होगा। इसमें जनपद के सभी बोर्डों के कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थी प्रतिभाग करेंगे।

प्रतियोगिता के प्रचार-प्रसार के लिए जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी के पम्पलेट का विमोचन किया। इस दौरान उन्होंने सभी बोर्डों के विद्यालयों के प्रधानाचार्यों से अपील की कि वे अपने विद्यालयों के कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को मार्गदर्शक शिक्षक के साथ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए भेजें। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच और नवाचार की भावना को विकसित करने में सहायक होते हैं। जिला समन्वयक अश्वनी कुमार जैन ने बताया कि प्रतियोगिता में विद्यार्थियों द्वारा लगभग 100 विज्ञान मॉडल प्रस्तुत किए जाएंगे। जनपद स्तर पर गठित तकनीकी मूल्यांकन समिति इनमें से 15 उत्कृष्ट मॉडलों का चयन कर मंडल स्तर के लिए भेजेगी। चयनित मॉडलों के मूल्यांकन के बाद प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को क्रमशः 5000, 3000 और 2000 रुपये की नकद धनराशि प्रदान की जाएगी। इसके अलावा दो विद्यार्थियों को एक-एक हजार रुपये के सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। विजेताओं को प्रशस्ति पत्र, सम्मान प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिह्न भी दिए जाएंगे।

सेंट जॉन्स स्कूल में कला-विज्ञान प्रदर्शनी में दिखी विद्यार्थियों की प्रतिभा

प्रदर्शनी में चंद्रयान-3, रोबोटिक्स, सोलर सिस्टम और मंडाला आर्ट के मॉडल रहे आकर्षण का केंद्र

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फिरोजाबाद।



आगरा रोड स्थित सेंट जॉन्स स्कूल में कला एवं विज्ञान प्रदर्शनी क्रिएटियो एट इनोवेटियों का भव्य आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर आधारित चार्ट, मॉडल और क्रियात्मक मॉडल प्रस्तुत कर अपनी रचनात्मकता एवं वैज्ञानिक सोच का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ धर्माध्यक्ष आर्चबिशप डॉ. राफी मंजली, मुख्य अतिथि जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा, एसएसपी आदित्य लांगे, डिप्टी सीटीएम अमित आनंद और एडीएम कल्पना जायसवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान प्रार्थना नृत्य, सांस्कृतिक एकता नृत्य और प्रेरणा गीत प्रस्तुत किए गए। कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा 2025-26 में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। प्रदर्शनी में चंद्रयान-3, सोलर सिस्टम, हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्लांट, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, हेल्दी रोबोट, फॉरेंसिक साइंस, भारतीय रेल, मतदान केंद्र, शेयर मार्केट और ई-कॉमर्स के मॉडल आकर्षण का केंद्र रहे।

कला प्रदर्शनी में मंडाला आर्ट और लिप्पन आर्ट ने भी दर्शकों का मन मोहा। प्राथमिक वर्ग के लिटिल गार्डन और सेवन वंडर्स विशेष आकर्षण रहे। प्रधानाचार्य फादर विनॉय पुलिवेलिल ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि प्रदर्शनी का उद्देश्य रचनात्मकता और सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना है।

देवोत्थान एकादशी पर सामूहिक विवाह समारोह की रही धूम, सैकड़ो जोड़ो ने लिए सात फेरे



महात्मा ज्योतिबा राव फूले सेवा समिति ने 21 जोड़ो का हिंदू रीति-रिवाज के साथ कराया विवाह

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फिरोजाबाद।

सुहागनगरी में देवोत्थान एकादशी पर सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें एक साथ सैकड़ो जोड़ो ने अग्नि के समक्ष सात फेरे लेकर जीवनभर साथ निभाने का वादा किया।

महात्मा ज्योतिबा राव फूले सेवा समिति द्वारा सर्व समाज सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन कोटला रोड रोड स्थित गुप्ता जी की बगीची में किया गया। जिसमें समिति के संस्थापक एवं हजारों बेटियों के पिता की उपाधि से सम्मानित डॉ राधेश्याम कुशवाह ने 21 जोड़ो का हिंदू रीति-रिवाज के साथ विवाह कराया। उन्होंने बेटियों के हाथ पीले कर कन्यादान लिया। इस दौरान जितेन्द्र शाक्य, डॉ बृजमोहन, यशोवर्धन कुशवाह, डॉ रामेश्वर कुशवाह, अनुराग बघेल, नेमा शर्मा, रिंकू, डॉ बृजेश शर्मा, बनवारीलाल कुशवाह, मुन्नालाल झा, राहुल सविता, राजीव कुशवाह, रंजीत सविता, नेत्रपाल सिंह पुष्कर, निशांत गुप्ता आदि मौजूद रहे।

कांशीराम जन्मकल्याण सेवा समिति ने 19 जोड़ो का विवाह कर दिया आशीर्वाद

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फिरोजाबाद।



मान्यवर कांशीराम साहब जन्मकल्याण सेवा समिति द्वारा सूरतराम सरन गार्डन चनौरा में किया गया। जिसमें समिति के अध्यक्ष द्वारिका प्रसाद ने 19 कन्याओं के हाथ पीले कर विवाह सम्पन्न कराया। उन्होंने बताया समिति विगत दस वर्षो से सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सभी धर्मो के वर-वधुओं का रीति-रिवाज के साथ विवाह कराया जाता है। इस दौरान संरक्षक रामरतन सिंह वकील साहब, सचिव संदीप कुमार एडवोकेट, रामवीर सिंह बौद्ध, पार्षद सूर्यकांत, रघुराज सिंह सविता, गेंदालाल राठौर, नवीन ठेंकेदार, हर्देश कुमार, ग्रीश चंद्र एड, गौतम एड, कमलकांत मथुरिया, गौरव नंद, अनिल कुमार भाटिया, देवी सिंह, सत्ते कुमार आदि मौजूद रहे।

ओमवीर यादव के एआईसीसी सचिव एवं मध्य प्रदेश सह प्रभारी बनने पर भव्य स्वागत

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फिरोजाबाद।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सचिव एवं मध्य प्रदेश का सह प्रभारी नियुक्त होने पर कांग्रेस नेता ओमवीर यादव का प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव डॉ. प्रकाशनिधि गर्ग के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकताओं ने फूलमाला पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यकताओं ने उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की।

प्रदेश सचिव डॉ. प्रकाशनिधि गर्ग ने कहा कि ओमवीर यादव को एआईसीसी सचिव एवं मध्य प्रदेश का सह प्रभारी बनाया जाना समस्त कांग्रेसजनों के लिए गर्व और खुशी का विषय है। उनकी मेहनत, संघर्ष और संगठन के प्रति निष्ठा को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। विश्वास है कि उनके अनुभव और नेतृत्व से कांग्रेस को राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊर्जा मिलेगी। उनकी नियुक्ति युवा कार्यकताओं के लिए भी प्रेरणादायक है। इस दौरान जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष चांद कुरैशी, प्रतीक तिवारी, हिमांशु कुमार सिंह, मजहर बेग, वकार खालिक, नूरुल हुद लाला राईन सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।



व्यापार मंडल के महानगर अध्यक्ष अम्बेश शर्मा एवं पदाधिकारी

फिरोजाबाद। आगरा गेट बाजार समिति के तत्वावधान में देवउठान एकादशी एवं खाटू श्याम का जन्मोत्सव धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस दौरान सीओ सिटी संतोष कुमार सिंह ने खाटू श्याम की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर पूजा-अर्चना की तथा केक काटकर जन्मोत्सव की खुशियां मनाईं। इसके बाद श्रद्धालुओ को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में व्यापारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और खाटू श्याम के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। इस दौरान फिरोजाबाद उद्योग व्यापार मंडल के महानगर अध्यक्ष अंबेश शर्मा, थाना उत्तर प्रभारी निरीक्षक रवि त्यागी, रमाशंकर दादा, स्वतंत्र गुप्ता, नरेश पंजाबी, आकृति सहयोगी, मुकेश शर्मा, राकेश शर्मा, दिलीप दीक्षित, विपिन गुप्ता, राहुल जैन, सुरेश चंद्र कौशल, परशुराम लालवानी, महेश लालवानी, आशीष वर्मा, मुकेश, श्रीभगवान वर्मा एवं अनुराग सहयोगी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

बाबा खाटू श्याम सेवा समिति ने 42 कन्याओं किये हाथ पीले



फिरोजाबाद। बाबा खाटू श्याम सेवा समिति द्वारा सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन राधाकृष्ण गार्डन में किया गया। जिसमें समिति के संस्थापक बंटू कुशवाह ने 42 जोडो का विवाह सम्पन्न कराया। उन्होने बताया कि सभी 42 जोड़ो को गृहस्थी का सामान पहले ही दे दिया गया है। इस दौरान डूमर सिंह कुशवाह, मनोज कुशवाह, जयप्रकाश कुशवाह, डॉ रामू सिंह राठौर, अरविंद गौतम, गोपाल बृजवासी, अभिषेक कुशवाह आदि मौजूद रहे।

वीरांगना झलकारी बाई ऐजुकेशनल सोसायटी ने 21 कन्याओं का कराया विवाह सम्पन्न



फिरोजाबाद। वीरांगना झलकारी बाई ऐजुकेशनल सेसायटी सर्व समाज सामूहिक विवाह समारोह रामदास गार्डन जलेसर रोड पर किया गया। जिसमें समिति के डायरेक्टर रोहित शंखवार ने बताया कि 21 जोड़ो का विवाह सम्पन्न कराया गया। इस दौरान प्रबंधक डॉ वीपी सिंह, अध्यक्ष राजबहादुर, महामंत्री बलवीर सिंह, कोषाध्यक्ष श्याम सिंह, सचिव आलोक कुमार, उपाध्यक्ष महेश माहौर, मनोज कृष्ण, महेश माहौर, रामनरायन, परशुराम, सत्येंद्र जैन सौली ने नवदंपत्तियों को आशीर्वाद प्रदान किया।

राष्ट्रवीर दुगार्दास सेवा समिति ने 11 जोड़ो को दिया आशीर्वाद



फिरोजाबाद। राष्ट्रवीर दुगार्दास सेवा समिति द्वारा सर्व समाज सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन शिखा गार्डन नागला मिर्जा में किया गया। जिसमें समिति के संस्थापक रामगोपाल राठौर ने 11 जोड़ों का विवाह कराया। कार्यक्रम में सुरेश बाबू राठौड,.बबलू राठौर, सत्यम बघेल, आशीष राठौर, प्रीति भारती, राजनाथ सिंह, सचिन राठौर आदि मौजूद रहे।

सर्वोदय विद्यालय में विद्यार्थियों को कराया संविधान की प्रस्तावना का पाठन

फिरोजाबाद। संविधान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और विद्यार्थियों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी देने के उद्देश्य से शुक्रवार को नगला श्रोती रोड स्थित जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय में संविधान संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को एक संविधान, एक स्वर के साथ संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठन कराया गया। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निदेर्शों के अनुपालन में तथा जिला जज एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को संविधान के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें संवैधानिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों और एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका निभाने के लिए जागरूक किया गया। प्राधिकरण सचिव योगेश शिवा ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों में संविधान के प्रति सम्मान और कानूनी जागरूकता विकसित करना है, ताकि वे अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों को भी समझ सकें। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य उमेश कुमार सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

बिना आग जलाए छात्राओं ने बनाए पौष्टिक व्यंजन, सीखे स्वस्थ आहार के गुर

फिरोजाबाद। दाऊदयाल महिला पीजी कॉलेज के गृह विज्ञान विभाग की ओर से डॉ. नूतन राजपाल के निर्देशन एवं शिखा यादव के सहयोग से एक दिवसीय नॉन-फायर पौष्टिक व्यंजन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं को बिना आग का प्रयोग किए पौष्टिक एवं स्वादिष्ट व्यंजन तैयार करने का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में डॉ. नूतन राजपाल एवं शिखा यादव ने छात्राओं को प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, फाइबर, विटामिन तथा खनिज तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों के महत्व की जानकारी दी। साथ ही बिना पकाए पौष्टिक व्यंजन तैयार करने की विधियां समझाईं। छात्राओं ने तिरंगा वेजिटेबल कैनापे, खजूर-मूंगफली एवं मेवे के एनर्जी बॉल्स, फ्रूट एंड योगर्ट पारफे, वेजिटेबल पनीर पिनव्हील सैंडविच, स्वीट कॉर्न चाट तथा अंकुरित मूंग-चना-मोठ चाट बनाना सीखा। प्राचार्या प्रो. रेनू वर्मा ने छात्राओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व के बारे में बताते हुए दैनिक जीवन में स्वास्थ्यवर्धक भोजन अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान गृह विज्ञान विभाग की शिक्षिका अंजलि यादव भी उपस्थित रहीं।



नाश्ते में पांच चीजों को खाने से तेजी से बढ़ता है वजन

फिटनेस पाने के लिए लोग क्या-क्या जतन करते हैं। कई सर्वे के अनुसार आप शरीर पर चर्बी होने के कारण कई बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। ऐसे में आपको बैली फैट कम करने के साथ फिट रहने की कोशिश करनी चाहिए। खुद को फिट रखने में ब्रेकफॉस्ट का भी अहम रोल होता है, ऐसे में आपको अगर हमेशा स्लिम ट्रिम रहना है, तो ऐसी 5 चीजें हैं, जो आपको नाश्ते में बिल्कुल नहीं खानी चाहिए-

वाइट ब्रेड

ब्रेड ज्यादातर भारतीय घरों में खाई जाती है लेकिन आपको बता दें कि ब्रेड का ज्यादा सेवन करना न सिर्फ आपकी सेहत को नुकसान पहुंचाता है बल्कि इससे आपका वजन भी बढ़ता है। ऐसे में कोशिश करें कि वाइट की जगह ब्राउन ब्रेड का सेवन करे।

प्रोसेस्ड फूड

ऐसे खाद्य पदार्थों को कई बार पकने की क्रिया से गुजरना पड़ता है। साथ ही तेल, मसाले, घी होने की वजह से ये सेहत के लिए भी अच्छे नहीं होते। आपको चिप्स, पॉपकॉर्न, ड्राई फ्रूट्स, स्नैक्स आदि से दूर रहना चाहिए।

केक, कुकीज

केक और कुकीज में मैदे के अलावा घी और क्रीम का इस्तेमाल होता है, जो आपकी फिटनेस के हिसाब से बिल्कुल भी सही नहीं है इसलिए आपको नाश्ते में इन चीजों को नहीं खाना चाहिए।

नूडल्स

नूडल्स खाने में तो बहुत अच्छे लगते हैं लेकिन इसे हेल्दी ब्रेकफॉस्ट नहीं माना जा सकता है, इसी वजह से आपको नूडल्स नाश्ते में बिल्कुल नहीं खाने चाहिए।

फ्रूट जूस

आपको कोशिश करनी चाहिए कि मार्केट में उपलब्ध फ्रूट जूस बिल्कुल न पिएं बल्कि आप घर में ही फलों का जूस निकालकर पी सकते हैं। आपके पास अगर जूस की जगह फल खाने का समय है, तो नाश्ते के लिए सबसे बेहतरीन रहेगा।

पकौड़े-कचौड़ी

सुबह-सुबह तली चीजें खाना बिल्कुल भी सही नहीं है। आप पकौड़े और कचौड़ी जैसी तली हुई चीजें सुबह नहीं खाएंगे, तो आपकी सेहत के लिए अच्छा रहेगा।

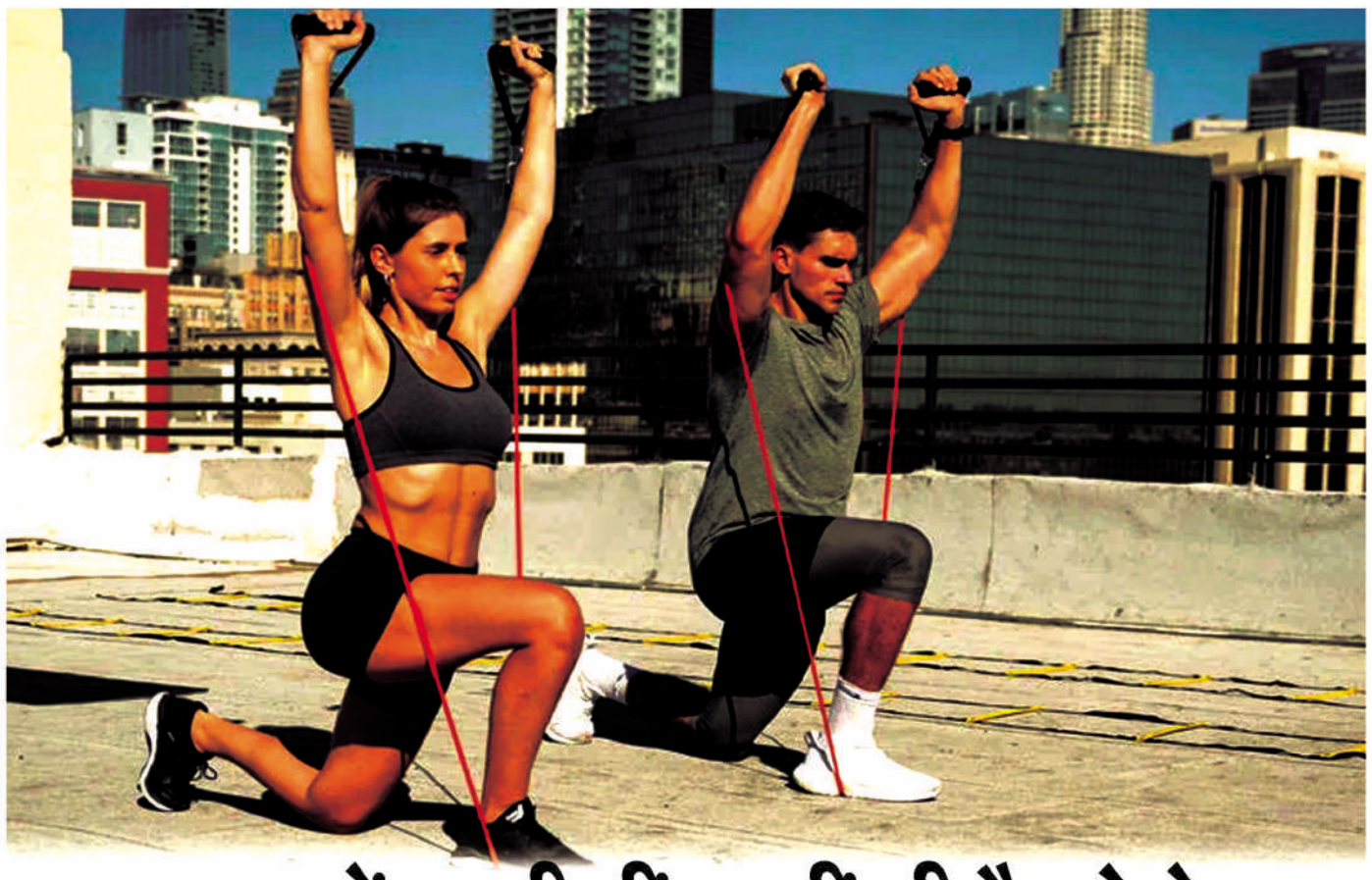

अगर रात में अच्छी नींद नहीं ली है, तो केवल 20 मिनट का व्यायाम आपको रख सकता है स्वस्थ

एक शोध से यह बात सामने आई है कि अगर आपने रात में अच्छी नींद नहीं ली है, तो केवल 20 मिनट का व्यायाम आपके मस्तिष्क को स्वस्थ रख सकता है।

पोर्ट्समाउथ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में किए गए अध्ययन से पता चला है कि नींद, ऑक्सीजन का स्तर और व्यायाम हमारी मानसिक कार्य करने की क्षमता को कैसे प्रभावित करते हैं। टीम ने पाया कि मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम से सोचने की क्षमता में सुधार होता है, चाहे किसी व्यक्ति की नींद की स्थिति या ऑक्सीजन का स्तर कुछ भी हो। यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ स्पोर्ट हेल्थ एंड एक्सरसाइज साइंस (एसएचईएस) के जो कॉस्टेलो ने कहा, हम मौजूदा शोध से जानते हैं कि ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर भी व्यायाम हमारे सोचने की क्षमता को बेहतर बनाता है लेकिन यह पहला अध्ययन है जो सुझाव देता है कि पूर्ण और आंशिक नींद की कमी के बाद और हाइपोक्सिया के साथ यह मानसिक विकास में भी सुधार करता है। उन्होंने कहा, व्यायाम और इन तनावों के बीच संबंधों के बारे में हम जो जानते हैं, उसमें ये निष्कर्ष महत्वपूर्ण रूप से जुड़ते हैं और इस संदेश को सुदृढ़ करने में मदद करते हैं कि व्यायाम शरीर और मस्तिष्क के लिए दवा है।

फिजियोलॉजी एंड बिहेवियर में प्रकाशित अध्ययन में दो प्रयोग शामिल थे, प्रत्येक में 12 प्रतिभागी (कुल 24) थे। पहले में किसी व्यक्ति के संज्ञानात्मक प्रदर्शन पर आंशिक नींद की कमी के प्रभाव को देखा गया, और दूसरे ने कुल नींद की कमी और हाइपोक्सिया के प्रभाव की जांच की। दोनों में सभी प्रतिभागियों ने 20 मिनट की साइकिलिंग के बाद मानसिक विकास प्रदर्शन में सुधार का अनुभव किया। कॉस्टेलो ने कहा, क्योंकि हम व्यायाम को एक सकारात्मक हस्तक्षेप के रूप में देख रहे थे, इसलिए हमने अनुशंसित मध्यम तीव्रता वाले एक्सरसाइज का उपयोग करने का निर्णय लिया। यदि व्यायाम अधिक लंबा या कठिन होता तो इसके नकारात्मक परिणाम बढ़ सकते हैं और यह स्वयं तनाव का कारण बन सकता था। पहले प्रयोग में व्यक्तियों को तीन दिनों में रात में केवल पांच घंटे सोने की अनुमति दी गई थी। प्रत्येक सुबह उन्हें आराम करने के लिए और फिर साइकिल चलाने के दौरान सात कार्य दिए गए। उन्हें कार्य पूरा करने से पहले अपनी नींद और मनोदशा का मूल्यांकन करने के लिए भी कहा गया। परिणामों से पता चला कि कार्यों पर तीन रातों की आंशिक नींद का प्रभाव असंगत था। पेपर में कहा गया है कि इसका स्पष्टीकरण यह हो सकता है कि कुछ लोग हल्की या मध्यम नींद की कमी के प्रति अधिक लचीले होते हैं। हालांकि, नींद की स्थिति की परवाह किए बिना, मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम ने सभी कार्यों में प्रदर्शन में सुधार किया। दूसरे प्रयोग में प्रतिभागियों को पूरी रात बिना नींद के गुजारनी पड़ी और फिर उन्हें विश्वविद्यालय के चरम पर्यावरण प्रयोगशालाओं में हाइपोक्सिक (ऑक्सीजन का निम्न स्तर) वातावरण में रखा गया। ऑक्सीजन का स्तर कम होने के बावजूद, व्यायाम से मानसिक विकास में सुधार जारी रहा।



इन 5 फूड से करें हाई बीपी को कंट्रोल

हाई ब्लड प्रेशर एक सामान्य बीमारी है, जो लंबे समय में हार्ट फेल जैसे गंभीर परिणाम देता है। इस बीमारी को साइलेंट किलर भी कहा जाता है, क्योंकि इसके होने पर कोई संकेत नजर नहीं आते हैं। यह बीमारी खून की नलियों के सिकुड़ने से और गंभीर हो जाती है।

न्यूट्रिशनिस्ट ने हाल ही में कुछ पोटेशियम युक्त फूड की लिस्ट शेयर की है जिसके सेवन से हाई बीपी की परेशानी को घर पर ही कंट्रोल किया जा सकता है। एक्सपर्ट बताती हैं कि हार्ट डिजीज के जोखिम को बढ़ाने वाले हाई ब्लड प्रेशर को खानपान और जीवनशैली में बदलाव से ठीक किया जा सकता है।

केला

पोटेशियम सोडियम के प्रभाव को कम करता है और खून की नलियों में तनाव को कम करता है। ऐसे में हाई ब्लड प्रेशर को कम करने के लिए केले का सेवन फायदेमंद होता है, क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में पोटेशियम मौजूद होता है।

खजूर

खजूर में भरपूर मात्रा में पोटेशियम और मैग्नीशियम के साथ-साथ सोडियम कम मात्रा में होता है। पोटेशियम और मैग्नीशियम दोनों ही नलियों में खून के फ्लो को सुगम बनाने और उच्च रक्तचाप को कम करने के लिए जाने जाते हैं।

नारियल पानी

नारियल पानी में पोटेशियम की अच्छी मात्रा होती है, जो इसे हाई ब्लड प्रेशर वाले मरीजों के लिए सेहतमंद बनाता है। लेकिन यदि आप हाई ब्लड प्रेशर की दवाएं ले रहे हैं, तो इसके सेवन से बचें।

अमरनाथ का आटा

रोज चौलाई जैसे साबुत अनाज खाने से ब्लड प्रेशर के लेवल को कम करने में मदद मिल सकती है। अमरनाथ का आटा उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन, पोटेशियम, आहार फाइबर और खनिजों का एक उत्कृष्ट स्रोत है। इसमें पेप्टाइड्स भी होते हैं जिसमें एंटीहाइपरटेन्सिव गुण होते हैं।

मोठ दाल

मोठ दाल फोलिक एसिड, पोटेशियम, मैग्नीशियम, प्रोटीन से भरपूर होती है। यह बॉडी में उन एंजाइम को रोकने काम करती है, जो ब्लड प्रेशर को बढ़ाने का काम करते हैं। ऐसे में हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए मोठ दाल फायदेमंद होता है।



आंखों को राहत देगा गुलाब जल

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल न केवल आपके पूरे स्वास्थ्य पर असर डालता है बल्कि इसका असर आपकी नाजुक आंखों पर भी पड़ता है।

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है, वहीं इसी के साथ ही मोबाइल के संपर्क में भी हम ज्यादा रह रहे हैं जिससे आंखों में जलन, धुंधला दिखना व खुजली जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी आंखों की देखभाल करें और जब भी आंखों पर दबाव महसूस करें तो स्क्रीन से दूर हो जाएं और बीच-बीच में आंखों को ठंडे पानी से भी धोते रहें। आंखों की जलन की परेशानी ज्यादा बढ़ जाती है। भले ही इस वक्त आप घर पर हैं लेकिन आंखों में जलन आप महसूस करते होंगे। इसलिए इन समस्याओं से निजात पाने के लिए आपको अपनी आंखों की सही देखभाल की जरूरत है, वहीं गुलाब जल का इस्तेमाल आपको आंखों की समस्या से निजात दिला सकता है। गुलाब जल के इस्तेमाल से आंखों को ठंडक मिलती है, साथ ही ताजगी महसूस होती है। ओवरटाइम काम करने के दौरान आंखों में तनाव महसूस होता है इसके लिए खुद को रिलेक्स करना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप कॉटन में गुलाब जल डालें और इसे अपनी आंखों पर रखकर कुछ देर के लिए आंखों को आराम दें। गुलाब जल को आंखों में डालने से भी तुरंत राहत मिलती है, साथ ही फ्रेश महसूस होता है। अतः अपने आंखों का ध्यान रखें और समय-समय पर अपनी पलकों को झपकाते रहें।

कैसे पहचानें कि इम्यून सिस्टम है कमजोर

इम्यून सिस्टम के मजबूत होने पर हम बीमारियों से लड़ सकते हैं। यदि हमारा इम्यून सिस्टम मजबूत है तो बीमारी हम पर हावी नहीं हो सकती। हमारा इम्यून सिस्टम कमजोर है तो हम इसको कैसे पहचान सकते हैं आइए जानते हैं।

अगर आपको लगता है कि आप बार-बार बीमार हो रहे हैं और जुकाम की शिकायत रहती है। बार-बार सर्दी हो जाना और यदि आपके आस-पास ऐसा कोई व्यक्ति है जिसे खांसी है और आपको भी इससे जल्दी खांसी या सर्दी हो जाती है तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। बदलते मौसम का आपको बीमार करना आपके कमजोर इम्यून सिस्टम को दर्शाता है। यदि आप मौसम के बदलने पर बीमार हो रहे हैं तो आपका इम्यून



सिस्टम कमजोर है। व्यायाम करते समय सांसों का फूलना व जल्दी थक जाना यह कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। नींद न आना, आंखों के नीचे काले घेरे, थकान महसूस होना- यह भी कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। अगर आपको लगता है कि आप दूसरों की अपेक्षा बार-बार बीमार होते हैं, जुकाम की शिकायत रहती है, खांसी, गला खराब होना या स्किन रैशेज जैसी समस्याएं रहती हैं तो बहुत पॉसिबल है कि यह आपके इम्यून सिस्टम की वजह से हो। कैंडिडा टेस्ट का पॉजिटिव होना, बार-बार यूटीआई, डायरिया, मसूड़ों में सूजन, मुंह में छाले वगैरह भी खराब इम्यूनिटी के लक्षण हैं।

कभी खाली पेट न खाएं ये चीजें

कभी-कभी ऐसा होता है कि हमें बहुत तेज भूख लग जाती है और हम उस वक्त हमें जो भी उपलब्ध होता है, वो खाने लग जाते हैं लेकिन ऐसा करना आपके लिए घातक हो सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक तेज भूख लगने पर कुछ ऐसी चीजें है, जिन्हें नहीं खाना चाहिए। आइए, जानते हैं कौन-सी हैं वो चीजें-

अमरुद

अमरुद एक ऐसा फल है, जिसे अलग-अलग स्थितियों में खाने पर अलग-अलग परिणाम देखने को मिलते हैं यानी अगर आप सर्दियों में सुबह के वक्त खाली पेट अमरुद खाएंगे, तो आपको पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। वहीं, गर्मी में खाली पेट अमरूद खाएंगे, तो यह फायदा देता है। ऐसे में आपको खाली पेट अमरूद नहीं खाना चाहिए।

सेब

सर्दियों में खाली पेट सेब खाने से बीपी बढ़ सकता है, अगर सुबह सबसे पहले यानी बिना कुछ खाए आप सेब खा लेते हैं, तो इस दिक्कत का सामना आपको करना पड़ सकता है लेकिन गर्मी में आप खाली पेट सेब खा सकते हैं।



टमाटर

टमाटर की तासीर गर्म होती है। इसे आप सर्दी के मौसम में तो खाली पेट खा सकते हैं लेकिन गर्मी के मौसम में ऐसा करने पर पेट में या सीने में जलन की समस्या हो सकती है। आपको सुबह के समय टमाटर खाने से परहेज करना चाहिए।

चाय-कॉफी

चाय या कॉफी को खाली पेट पीने से बचना चाहिए।आप चाय या कॉफी को बिस्किट, ब्रेड के साथ ले सकते हैं लेकिन खाली पेट या तेज भूख लगने पर सिर्फ चाय-कॉफी न लें, इससे आपके पेट में गैस बन सकती है।

दही

बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें दही फायदे की जगह पर हानि पहुंचा देती है ऐसे में दही को सुबह के समय खाली पेट खाने से बचना चाहिए, वर्ना आपकी सेहत बिगड़ सकती है।

पहला टेस्ट: दूसरे दिन भारतीय बल्लेबाजों का दिखाया दम

यशस्वी-राहुल के अर्धशतक; न्यूजीलैंड पर बढ़त लेने की चुनौती

एजेंसी, वेलिंगटन।



भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 368 रन बनाए। जवाब में दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने पहली पारी में एक विकेट पर 159 रन बनाए हैं और वह अभी 209 रन पीछे है। भारत को यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने अच्छी शुरूआत दिलाई और दोनों ने पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की। स्टंप्स के समय केएल राहुल 52 और देवदत्त पडिक्कल 16 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

यशस्वी-राहुल के बीच साझेदारी

भारत को एकमात्र झटका यशस्वी जायसवाल के रूप में लगा। वह शतक से चूक गए। यशस्वी ने 89 गेंद पर 16 चौके की मदद से 85 रन की तेज पारी खेली। यशस्वी ने टेस्ट करियर का 14वां अर्धशतक लगाया। यशस्वी ने पहले विकेट के लिए राहुल के साथ 130 रन जोड़े। इसके बाद राहुल ने भी टेस्ट करियर का 22वां अर्धशतक पूरा किया। यशस्वी को मैट हेनरी ने विकेटकीपर ब्लंडेल के हाथों कैच कराया।

राहुल और यशस्वी ने कुछ मुश्किल क्षणों का सामना किया। भारत ने अपना पहला रन पांचवें ओवर में बनाया जब जायसवाल का कवर ड्राइव शॉट वाइड थर्ड स्लिप के ऊपर से निकलकर चौके के लिए चला गया। राहुल का भाग्य ने साथ दिया क्योंकि वह काइल जैमीसन की गेंद पर डीआरएस अपील से बच गए, जबकि मैट हेनरी ने उन्हें बिल्कुल सामने गेंद फेंकी थी, लेकिन न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लाथम ने डीआरएस न लेने का फैसला किया। राहुल और यशस्वी ने जिम्मेदारी से पारी आगे बढ़ाई और शतकीय साझेदारी की। 17 टेस्ट और 30 पारियों बाद भारत ने पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की। इससे पहले आखिरी बार नवंबर 2024 में पर्थ में खेले गए टेस्ट में इन दोनों ने 201 रनों की साझेदारी की थी। दूसरे दिन का खेल खत्म होने से पहले केएल राहुल ने भी पचासा पूरा किया। 2016 के बाद यह पहली बार है जब मेहमान टीम के दोनों ओपनरों ने न्यूजीलैंड में टेस्ट मैच में 50+ स्कोर बनाया है। इससे पहले 2016 में ऐसा हुआ था।

न्यूजीलैंड की पहली पारी

इससे पहले, दूसरे दिन मेजबान टीम की पहली पारी 368 रन पर समाप्त हो गई थी। न्यूजीलैंड ने पांच विकेट पर 243 रन से आगे खेलना शुरू किया। दूसरे दिन न्यूजीलैंड ने 125 रन जोड़े और बाकी के पांच विकेट गंवा किए। हेनरी निकोल्स 175 रन बनाकर नाबाद लौटे, जबकि ग्लेन फिलिप्स ने 118 रन की शानदार पारी खेली। एक वक्त न्यूजीलैंड ने 70 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद इन दोनों ने छठे विकेट के लिए 216 रन की साझेदारी कर न्यूजीलैंड को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला।

निकोल्स ने खेली 175 रन की नाबाद पारी

हेनरी निकोल्स ने भारतीय गेंदबाजों का डटकर सामना किया। उन्होंने 335 गेंदों पर 175 रन बनाए। उनकी पारी में 21 चौके शामिल रहे। निकोल्स ने पहले दिन अपना शतक पूरा किया था और दूसरे दिन भी अपनी शानदार बल्लेबाजी जारी रखी। ग्लेन फिलिप्स ने 216 गेंदों पर 118 रन बनाए। उनकी पारी में 14 चौके शामिल रहे। दोनों के बीच 394 गेंदों में 216 रन की साझेदारी हुई। फिलिप्स दूसरे दिन आकाश दीप की गेंद पर बोल्ड हुए।

फिलिप्स का विकेट आज भारत को मिला पहला विकेट रहा। इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने नाथन स्मिथ (14) को एलबीडब्ल्यू आउट किया। फिर आकाश दीप ने काइल जेमीसन को 11 रन के निजी स्कोर पर केएल राहुल के हाथों कैच कराया। बुमराह ने मैट हेनरी (1) को पवेलियन भेजकर अपना चौथा विकेट हासिल किया। जबकि अंशुल कंबोज ने जैकब डफी (4) को आउट कर न्यूजीलैंड की पारी समेट दी।

बुमराह-आकाश दीप का कमाल

भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 29 ओवर में 92 रन देकर चार विकेट लिए। आकाश दीप ने 23 ओवर में 53 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। अंशुल कंबोज को दो सफलताएं मिलीं, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने एक विकेट लिया। पहले दिन टॉम लाथम खाता खोले बिना आउट हुए थे। वहीं, डेवोन कॉनवे चार रन, रचिन रवींद्र 15 रन, डेरिल मिचेल एक रन और टॉम ब्लंडेल पांच रन बनाकर आउट हुए थे।

सैंडपेपरगेट विवाद में कूदे मैथ्यू हेडन: कप्तान पैट कमिंस के किस फैसले पर उठाए सवाल?

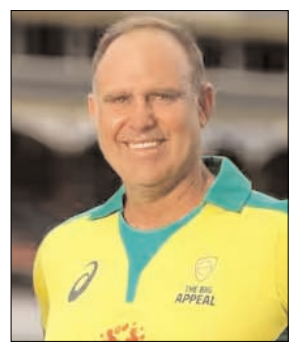

एजेंसी, होबार्ट।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज मैथ्यू हेडन ने सैंडपेपरगेट विवाद को लेकर पैट कमिंस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि पैट कमिंस का इस विवाद पर आगे सवालों का जवाब नहीं देने का फैसला भारत दौरे पर ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन सकता है। हेडन के मुताबिक, आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान यह मुद्दा ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को असहज करने का बड़ा जरिया बनेगा।

कमिंस ने बॉल टेंपरिंग विवाद पर क्या कहा था?

पैट कमिंस ने हाल ही में करीब 70 मिनट तक चली प्रेस कॉन्फ्रेंस में 2018 के दक्षिण अफ्रीका दौरे पर हुए बॉल टेंपरिंग विवाद को लेकर अपनी बात रखी थी। हालांकि, उन्होंने साफ कर दिया था कि इसके बाद वह सैंडपेपरगेट से जुड़े किसी भी सवाल का जवाब नहीं देंगे। कमिंस के इस रुख पर प्रतिक्रिया देते हुए मैथ्यू हेडन ने जियोस्टार से कहा, पैट कमिंस ने सामने आकर मूल रूप से उस्मान ख्वाजा को निशाने पर लिया है। उन्होंने अपनी दोस्ती और उस दोस्ती के साथ किस तरह का व्यवहार किया गया, इसे लेकर बेहद निजी मुद्दे उठाए हैं।

हेडन ने आगे कहा, कमिंस पहले ही रिकॉर्ड पर कह चुके हैं कि दोस्तों, मैं डेढ़ घंटे तक सवालों के जवाब दूंगा, लेकिन इसके बाद इस मुद्दे पर किसी सवाल का जवाब नहीं दूंगा। इसका मतलब है कि जब वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारत आएंगे, तो भारतीय मीडिया के किसी भी सवाल का जवाब सैंडपेपरगेट पर नहीं देंगे। यह सोचना भी मुश्किल है कि ऐसा हो पाएगा।

हेडन का मानना है कि इस विवाद ने ऑस्ट्रेलियाई ड्रेसिंग रूम को प्रभावित किया है और विरोधी टीम के पास इस मुद्दे के जरिए कंगारू खिलाड़ियों को असहज करने का मौका होगा। उन्होंने कहा, यह ऑस्ट्रेलियाई ड्रेसिंग रूम के दरवाजे पर एक बड़ा चुभने वाला मुद्दा है। अगर आप वास्तव में ऑस्ट्रेलिया को असहज करना चाहते हैं, तो आपको इस मुद्दे को लगातार उठाते रहना होगा, क्योंकि तुरंत प्रतिक्रिया आएगी और जवाब होगा कि मैं इस सवाल का जवाब नहीं दे रहा हूं।

हेडन ने निष्पक्ष जांच की मांग की

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की भी वकालत की। उनका कहना है कि विवाद में शामिल प्रत्येक खिलाड़ी को अपनी बात रखने का मौका मिलना चाहिए। हेडन ने कहा, चाहे यह क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ हो या किसी स्वतंत्र जांच प्रक्रिया के जरिए, हमें कुछ खास सवाल पूछने होंगे। यह पता लगाना होगा कि क्या आगे की जांच के लिए पर्याप्त आधार हैं। इसके बाद सभी संबंधित लोगों के लिए स्पष्ट दायरे और निष्पक्ष प्रक्रिया के साथ आगे बढ़ना चाहिए। इस प्रक्रिया की जिम्मेदारी किसी को लेनी होगी। जब तक ईमानदारी और भरोसे को लेकर सवाल बने रहेंगे, तब तक सुलह संभव नहीं होगी। यह कल्पना से परे है कि क्रिकेट खुद को ऐसी स्थिति में नहीं ला सकता, जहां वह कम से कम इस मामले की गंभीरता को और बेहतर तरीके से समझ सके।

विवाद पर बोले हेडन- खुलकर बातचीत करना जरूरी

हेडन ने यह भी कहा कि विवाद का जल्द समाधान निकालने के लिए खुलकर बातचीत जरूरी है। उन्होंने मौजूदा खिलाड़ियों के साथ-साथ उन पूर्व खिलाड़ियों को भी आधिकारिक तौर पर अपनी बात रखने का मौका देने की मांग की, जो 2018 की उस सीरीज का हिस्सा थे। उन्होंने कहा, एक ऐसी प्रक्रिया तैयार करनी होगी, जिसमें न सिर्फ मौजूदा खिलाड़ियों को, बल्कि उस सीरीज में शामिल रहे और अब संन्यास ले चुके खिलाड़ियों डेविड वॉर्नर और उस्मान ख्वाजा को भी आधिकारिक तौर पर अपनी बात रखने का मौका मिले। इसके अलावा उन तीन अन्य खिलाड़ियों को भी अपनी बात कहने का अवसर मिलना चाहिए, जिन्होंने इस मामले में समर्थन जताया है। जब तक यह मामला खुला रहेगा, तब तक अविश्वास की स्थिति बनी रहेगी।

ओलिविया रोड्रिगो को ग्रैमी में मिले सात नॉमिनेशन, रॉबर्ट स्मिथ के साथ नाम आने पर बोलीं- 'सपना सच हो गया'



गायिका और गीतकार ओलिविया रोड्रिगो को ग्रैमी अवॉर्ड्स में सात कैटेगरी में नॉमिनेशन मिला है। इस उपलब्धि से ओलिविया बेहद खुश हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उनके एल्बम को इस तरह पहचान मिलना उनके लिए बहुत बड़ा सम्मान है। वहीं, मशहूर सिंगर रॉबर्ट स्मिथ के साथ उनके गाने 'व्हाट्स रॉन्ग विद मी' को दो कैटेगरी में नॉमिनेशन मिलना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। ओलिविया ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, "आज सुबह जब मैं उठी तो पता चला कि मुझे ग्रैमी के लिए सात नॉमिनेशन मिले हैं। मैं बहुत खुश हूं। मुझे यह एल्बम बेहद पसंद है और इसे इस तरह पहचान मिलना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान है। मैं इसलिए भी बहुत उत्साहित हूं, क्योंकि रॉबर्ट स्मिथ और मुझे हमारे गाने 'व्हाट्स रॉन्ग विद मी' के लिए दो अवॉर्ड्स के लिए साथ में नॉमिनेशन मिला है। यह मेरे लिए ऐसा पल है, जिसका मैंने हमेशा सपना देखा था। यकीन ही नहीं हो रहा।"

ओलिविया रोड्रिगो ने अपने करियर की शुरूआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की थी। वह बचपन में कई विज्ञापनों में नजर आईं। साल 2015 में उन्होंने डायरेक्ट-टू-वीडियो फिल्म 'एन अमेरिकन गर्ल: ग्रेस स्टिर्स अप सक्सेस' में काम किया। इसके बाद वह टीवी सीरीज 'बिजार्डवार्क' और 'हाई स्कूल म्यूजिकल: द म्यूजिकल: द सीरीज' में मुख्य भूमिका निभाकर चर्चा में आईं।

अभिनय के बाद ओलिविया ने संगीत की दुनिया में कदम रखा। साल 2020 में उन्होंने गेफेन रिकॉर्ड्स के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया। इसके बाद साल 2021 में उनका पहला स्टूडियो एल्बम 'सॉर' रिलीज हुआ, जिसने अमेरिका के बिलबोर्ड 200 चार्ट में पहला स्थान हासिल किया। यह एल्बम दुनिया के नौ अन्य म्यूजिक चार्ट में भी टॉप पर रहा। इस एल्बम के गाने 'ड्राइवर्स लाइसेंस' और 'गुड 4 यू' को भी खूब पसंद किया गया। दोनों गानों ने अमेरिका के बिलबोर्ड हॉट 100 चार्ट में पहला स्थान हासिल किया।

ओलिविया की जिंदगी और म्यूजिक करियर पर 'ओलिविया रोड्रिगो: ड्राइविंग होम 2 यू' नाम से एक डॉक्यूमेंट्री भी बनाई गई। इसके बाद उनके दो स्टूडियो एल्बम 'गट्स' और 'यू सीम प्रिटी सैड फॉर अ गर्ल सो इन लव' रिलीज हुए। इन दोनों एल्बमों के गाने 'वैम्पायर' और 'ड्रॉप डेड' भी बिलबोर्ड हॉट 100 चार्ट में पहले नंबर पर पहुंचे। इस उपलब्धि के साथ ओलिविया पहली ऐसी कलाकार बनीं, जिनके शुरूआती तीनों एल्बम के पहले गानों ने रिलीज होते ही इस चार्ट में नंबर एक स्थान हासिल किया।

ओलिविया रोड्रिगो के नाम अब तक तीन ग्रैमी अवॉर्ड, पांच एमटीवी वीडियो म्यूजिक अवॉर्ड और सात बिलबोर्ड म्यूजिक अवॉर्ड दर्ज हैं।

मातृभूमि: सलमान की फिल्म को सेंसर बोर्ड से मिला UA 16+ सर्टिफिकेट

बॉलीवुड के 'दबंग' यानी सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। भारत और चीन के बीच 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प की पृष्ठभूमि पर बनी इस फिल्म को लेकर शुरूआत से ही दर्शकों के बीच उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म के नाम में बदलाव से लेकर इसकी कहानी और रिलीज डेट तक, कई वजहों से यह लगातार सुर्खियों में रही है। अब फिल्म से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, सलमान खान की इस वॉर ड्रामा फिल्म को सेंसर बोर्ड से हरी झंडी मिल गई है।

कितने घंटे लंबी होगी फिल्म 'मातृभूमि'

सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (CBFC) ने 'मातृभूमि' को UA 16+ सर्टिफिकेट दिया है। सेंसर बोर्ड की मुंबई रीजनल ऑफिस की तरफ से यह सर्टिफिकेट 18 नवंबर को जारी किया गया।

बोर्ड की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक, फिल्म की कुल अवधि 2 घंटे, 34 मिनट और 12 सेकंड है। फिल्म को हिंदी भाषा की श्रेणी में सर्टिफाई किया गया है। वहीं, इसके निर्माता और सर्टिफिकेशन के लिए आवेदन करने वाली कंपनी सलमान खान वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड है।

क्या है 'मातृभूमि' की कहानी?

सेंसर बोर्ड की तरफ से जारी फिल्म के आधिकारिक सारांश में इसकी कहानी की झलक भी देखने को मिली है। बोर्ड ने इसे 'दो मोर्चों पर साहस की एक महागाथा' बताया है। फिल्म में कर्नल संदीप देश की रक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालते नजर आएंगे, वहीं उनकी पत्नी परिवार को संभालते



हुए हर मुश्किल का सामना करेंगी। जहां एक ओर संदीप देश की सुरक्षा के लिए लड़ते हैं, वहीं उनकी पत्नी उन्हें इस जिम्मेदारी को निभाने की ताकत देती हैं। फिल्म का मूल सवाल है कि क्या कभी युद्ध को वास्तव में शांति मिल सकती है?

'बैटल ऑफ गलवान' से ऐसे बदला फिल्म का नाम

गौरतलब है कि इस फिल्म की घोषणा शुरूआत में 'बैटल ऑफ गलवान' के नाम से की गई थी। इसकी कहानी साल 2020 में गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़प से प्रेरित है। हालांकि, मार्च 2026 में मेकर्स ने फिल्म का नाम बदलकर 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' कर दिया।

उस दौरान ऐसी खबरें सामने आई थीं कि चीनी सरकारी मीडिया की आलोचना और दोनों देशों के बीच संवेदनशील कूटनीतिक रिश्तों को देखते हुए फिल्म के नाम और कहानी में बदलाव किए गए हैं। यह भी चर्चा थी कि चीन के साथ तनाव से बचने के लिए सलमान को स्क्रिप्ट में कुछ बदलाव करने के लिए कहा गया है।

सलमान ने दिया था जवाब

हालांकि, सलमान खान ने इन तमाम अटकलों पर विराम लगाते हुए फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान अपनी बात रखी थी। 6 नवंबर को आयोजित इस कार्यक्रम में अभिनेता ने कहा था कि सेंसर बोर्ड और दूसरी एजेंसियों को फिल्म में कुछ भी गलत नहीं लगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि फिल्म बिना किसी कट के पास हुई है। सलमान के मुताबिक, फिल्म को लेकर एक गलत नैरेटिव चलाया जा रहा था, जबकि सेंसर बोर्ड ने इसे बिना किसी कट के सर्टिफिकेट दिया है। अभिनेता ने इसके लिए संबंधित मंत्रालयों और सेंसर बोर्ड का शुक्रिया भी अदा किया था।

कई वजहों से हुई फिल्म की रिलीज में देरी

फिल्म की रिलीज तक का सफर भी आसान नहीं रहा है। शुरूआत में इसे 20 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना था, लेकिन बाद में इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई। सलमान खान पहले ही फिल्म के बड़े स्तर पर हो रहे विजुअल इफेक्ट्स के काम और अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह को लगी चोट के बारे में बात कर चुके हैं।

इन वजहों से फिल्म की शूटिंग और पोस्ट प्रोडक्शन के शेड्यूल पर असर पड़ा। सलमान ने साफ किया था कि मेकर्स फिल्म की विजुअल क्वालिटी से समझौता नहीं करना चाहते थे और इसी वजह से उन्होंने जल्दबाजी में काम पूरा करने के बजाय समय लेना बेहतर समझा।

कब रिलीज होगी फिल्म?

अब 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' 4 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है। इसमें सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। वहीं, फिल्म का संगीत हिमेश रेशमिया ने तैयार किया है।

कौन हैं कोमल पावस्कर? बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहीं इस बहुमुखी प्रतिभा की धनी नई अभिनेत्री

बॉलीवुड में कदम रखने से पहले ही कोमल पावस्कर ने परफॉर्मिंग आर्ट्स की दुनिया में अपनी एक मजबूत नींव तैयार कर ली है। न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी से एक्टिंग और फिल्ममेकिंग की औपचारिक शिक्षा हासिल करने से लेकर डांस के छह अलग-अलग फॉर्म्स में महारत हासिल करने और पारंपरिक परफॉर्मिंग आर्ट्स से आगे बढ़कर कई अन्य कौशल सीखने तक, कोमल का सफर उनके जुनून, बहुमुखी प्रतिभा और अपने काम के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

गौरतलब है कि थिएटर से उनका जुड़ाव काफी कम उम्र में ही हो गया था। इस अनुभव ने उन्हें अपनी पढ़ाई के साथ-साथ लाइव परफॉर्मेंस की बारीकियों, अनुशासन और चुनौतियों को समझने का अवसर दिया। एक्टिंग के साथ-साथ कोमल ने छह अलग-अलग डांस फॉर्म्स में ट्रेनिंग ली है, जिनमें जैज फंक, कमर्शियल हिप-हॉप, बेली डांस, कथक, साल्सा और बॉलीवुड डांस शामिल हैं। डांस की इन विविध शैलियों में प्रशिक्षण ने उन्हें मूवमेंट, रिदम और एक्सप्रेशन की बेहतर समझ दी है, जिससे एक परफॉर्मर के तौर पर उनकी नींव और मजबूत हुई है।



कोमल को खास बनाने वाली बात सिर्फ एक्टिंग और डांस तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्होंने इसके अलावा भी कई दिलचस्प क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा को निखारा है। वह राइफल शूटिंग और घुड़सवारी में भी प्रशिक्षित हैं। शूटिंग में जरूरी सटीकता से लेकर घुड़सवारी के लिए आवश्यक शारीरिक अनुशासन तक, उनके ये हुनर अलग-अलग विधाओं को सीखने और खुद को लगातार चुनौती देने की उनकी इच्छा को दर्शाते हैं। जहां कई नए कलाकार अपनी डेब्यू फिल्मों के जरिए दर्शकों के सामने आते हैं, वहीं कोमल का सफर उस लंबे अभ्यास और तैयारी की झलक देता है, जो किसी बड़े मौके से पहले की जाती है। थिएटर का अनुभव, एक्टिंग की औपचारिक शिक्षा और अलग-अलग कलाओं में प्रशिक्षण यह दिखाता है कि बॉलीवुड में कदम रखने से पहले उन्होंने परफॉर्मेंस के विभिन्न पहलुओं को समझने और सीखने पर लगातार काम किया है। कोमल अब फिल्ममेकर विकास बहल की आगामी रोमांटिक थ्रिलर इकाई से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं, जिसमें वह राघव जुयाल के अपोजिट नजर आएंगी। हिंदी सिनेमा में अपनी पहली बड़ी शुरूआत की तैयारी कर रहीं कोमल का थिएटर से लेकर औपचारिक प्रशिक्षण और अब बड़े पर्दे तक का सफर एक ऐसे नए चेहरे की कहानी सामने लाता है, जिसकी शुरूआत उनके डेब्यू से काफी पहले हो चुकी थी। कोमल के लिए इकाई सिर्फ बॉलीवुड में उनकी एंट्री नहीं, बल्कि सालों की मेहनत, सीखने की लगन, अनुशासन और समर्पण से तैयार हुए एक नए और रोमांचक सफर की शुरूआत है।

आलिया भट्ट को टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट के कवर पर मिली जगह

बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री आलिया भट्ट के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। अपनी शानदार अदाकारी और अलग-अलग तरह के किरदारों से दर्शकों का दिल जीतने वाली आलिया अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सुर्खियां बटोर रही हैं।

उन्हें टाइम मैगजीन की पहली टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट के कवर स्टार के तौर पर जगह मिली है। मैगजीन ने फिल्म इंडस्ट्री में उनके सफर, फिल्मों में उनके किरदारों के चुनाव और फिल्म सेट पर महिलाओं के लिए बेहतर कामकाजी माहौल की वकालत करने के उनके प्रयासों को सराहा है।

आलिया को बताया 'बॉलीवुड आइकन'

टाइम मैगजीन ने इंस्टाग्राम पर आलिया को कवर स्टार घोषित करते हुए उन्हें 'बॉलीवुड आइकन' बताया। मैगजीन ने लिखा, 'हमारी पहली टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट की कवर स्टार से मिलिए, बॉलीवुड आइकन आलिया भट्ट।'

इसके साथ ही प्रकाशन ने इस बात पर भी गौर किया कि कैसे आलिया ने इंडस्ट्री में एक नई कलाकार के तौर पर शुरूआत की और धीरे-धीरे चुनौतीपूर्ण और अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाली अभिनेत्री के रूप में अपनी पहचान बनाई।

'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से की शुरूआत

आलिया भट्ट ने साल 2012 में करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से बतौर लीड एक्ट्रेस बॉलीवुड में कदम रखा था। हालांकि, साल 2014 में इम्तियाज अली की फिल्म 'हाईवे' उनके करियर का अहम मोड़ साबित हुई।

इस फिल्म में उन्होंने वीरा त्रिपाठी का किरदार निभाया था, जो किडनैप होने के बाद खुद को समझने और अपनी जिंदगी को नए नजरिए से देखने का सफर तय करती है। इस फिल्म ने दर्शकों के बीच आलिया की अभिनय क्षमता को लेकर बनी धारणा बदल दी। मैगजीन के मुताबिक, आलिया का फिल्मी सफर ऐसे दौर में आगे बढ़ा, जब बॉलीवुड का पारंपरिक स्टार सिस्टम बदल रहा था और कलाकारों के सामने एक नई तरह की सेलिब्रिटी संस्कृति की चुनौतियां थीं। 'हाईवे' के बाद आलिया ने लगातार ऐसे किरदार चुने, जिनमें उन्हें अपनी अभिनय क्षमता दिखाने का मौका मिला।



फिल्म 'उड़ता पंजाब' में उन्होंने पंजाब के ड्रग्स कारोबार के बीच फंसी बिहार की एक प्रवासी मजदूर का किरदार निभाया। इस फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट एक्ट्रेस का अवार्ड भी मिला।

अपने करियर में आलिया ने जहां '2 स्टेट्स' जैसी कमर्शियल फिल्मों में काम किया, वहीं 'राजी', 'डियर जिंदगी' और 'गली बॉय' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों और समीक्षकों का ध्यान खींचा। अलग-अलग जॉनर की फिल्मों में काम करके उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित की है। सिर्फ फिल्मों ही नहीं, बल्कि फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के लिए बेहतर कामकाजी माहौल बनाने की पैरवी को लेकर भी आलिया चर्चा में रही हैं। खासतौर पर फिल्म सेट पर महिलाओं की सुविधाओं और उनके काम करने की परिस्थितियों को बेहतर बनाने की दिशा में उनकी आवाज को मैगजीन ने अहमियत दी है।

हाल ही में आलिया मुंबई में आयोजित अर्थशॉट प्राइज 2026 के ग्रीन कार्पेट पर भी अपने लुक को लेकर चर्चा में रही थीं। इस दौरान वह डिजाइनर रितु कुमार के तैयार किए गए ब्लैक और एंटीक गोल्ड रंग के बेहद खूबसूरत आउटफिट में नजर आई थीं।

राजामौली ने की आलिया की तारीफ

एसएस राजामौली ने आलिया पर फीचर लिखा। फिल्म 'आरआरआर' में आलिया के साथ काम करने वाले राजामौली ने शूटिंग की यादें ताजा करते हुए काफी कुछ शेयर किया। राजामौली ने कहा, 'जब आलिया फिल्म 'आरआरआर' में आईं, उनके किरदार सीता के कुछ ही सीन थे। उनकी ज्यादातर कहानी इंतजार में थी, जो वह कह नहीं सकती थीं। आलिया हिंदी सिनेमा से आई थीं और उन्होंने अपने तेलुगु पर तब तक काम किया, जब तक हर लाइन उन्हें अपनी नहीं लगने लगी। सेट पर उन्होंने सीता का रोल ऐसे किया, जैसे पूरी फिल्म उन्हीं के कंधों पर हो। यही आलिया हैं, उनके लिए कोई भी रोल छोटा नहीं है।'

इन फिल्मों में नजर आएंगी आलिया भट्ट

वर्कफ्रंट की बात करें तो आलिया जल्द ही सोहम शाह के साथ फिल्म 'तुम्बाड 2' में अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी। इसके अलावा वह संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' का भी हिस्सा हैं। इस फिल्म में उनके साथ रणबीर कपूर और विक्की कौशल दिखाई देंगे।

साल 2012 में अपने करियर की शुरूआत करने वाली आलिया के लिए टाइम मैगजीन की इस लिस्ट का कवर स्टार बनना एक और बड़ी उपलब्धि है। यह उनके अब तक के फिल्मी सफर और इंडस्ट्री में बनाई गई पहचान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर मिली एक नई पहचान भी है।